https://www.facebook.com/KamalSandeshBjp/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

मोदीजी की गरीबोन्मुखी नीतियों के कारण भाजपा की बड़ी जीत

वर्ष-12, अंक-06, 16-31 मार्च, 2017 (पाक्षिक) ₹20

विधानसभा चुनाव 2017

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

मणिपुर एवं गोवा में भी सरकार

सबसे बड़ी पार्टी बनाम सबसे ज्यादा समर्थन वाला गठबंधन

उप्र में भाजपा की जबर्दस्त जीत के सबब

'मैं' से 'हम' की यात्रा ही योग है

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में जीत का जश्न मनाते कार्यकर्तागण

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
kamalsandesh@yahoo.co.in
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 भाजपा ने रचा इतिहास

हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को शानदार सफलता मिली है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अभूतपूर्व जनादेश प्राप्त करते हुए पार्टी ने जहां तीन-चौथाई से भी ज्यादा सीटें प्राप्त कीं, वहीं गोवा और मणिपुर में वह सरकार बनाने में सफल रही। जबकि...

वैचारिकी

चिति 20

श्रद्धांजलि

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले... 22

लेख

सबसे बड़ी पार्टी बनाम सबसे ज्यादा समर्थन वाला गठबंधन 23

मोदी का करिश्मा, अमित शाह की संगठनात्मक प्रतिभा, स्थानीय... 24

देश के अर्थतंत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला... 25

अन्य

भाजपा केंद्रीय कार्यालय में जश्न 12

गोवा के मुख्यमंत्री बने मनोहर पर्रिकर 16

एन. बीरेन सिंह बने मणिपुर के मुख्यमंत्री 17

एशियाई विकास बैंक द्वारा पूर्वी तट आर्थिक गलियारे के... 21

नोटबंदी का विकास दर पर कोई नकारात्मक असर नहीं 28

महिलाओं को सभी रेल स्टेशनों की लघु-खानपान इकाइयों... 29

लड़के-लड़कियों में कोई भेदभाव नहीं: प्रधानमंत्री 30

संगठनात्मक गतिविधियां

18 यह जनादेश मोदीजी के प्रति गरीबों की श्रद्धा का द्योतक है

भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड ने प्रस्ताव पारित कर विधानसभा चुनावों में मिले...

33 'मैं' से 'हम' की यात्रा ही योग है: नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 मार्च को ऋषिकेश में आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन...

सरकार की उपलब्धियां

31 महिलाओं को मिलेगा 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश

संसद ने प्रसूति प्रसुविधा संशोधन विधेयक 2016 को मंजूरी दे दी। इसमें संगठित...

33 'परमाणु कार्यक्रम उत्तर भारत में'

केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन और परमाणु ऊर्जा एवं...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

प्रकृति हमें प्रेरणा देती है। भाजपा के वटवृक्ष पर विजय रूपी फल लगे हैं, हमारा सबसे ज्यादा झुकने और नम्र बनने का जिम्मा बनता है।

@AmitShah

यह हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, मोदी जी के लोकप्रिय नेतृत्व और जनता में उनके प्रति विश्वास की जीत है।

@ChouhanShivraj

मध्यप्रदेश में आवास गारंटी कानून बनाकर यहां जन्मे हर व्यक्ति के आवास के लिए ज़मीन और उसे बनाने के लिए आवश्यक सुविधाएं देंगे।

@drramansingh

सुकमा में शबरी नदी पर बने पुल से दूरियां कम होंगी, साथ ही छत्तीसगढ़ व ओडिशा की विविध संस्कृतियों का संगम होगा और आर्थिक विकास की गति बढ़ेगी।

facebook

सरकार बनती है बहुमत से, पर चलती है सर्वमत से। भाजपा की सारी सरकारें सबकी हैं।

-नरेन्द्र मोदी

अपने अथक परिश्रम से उ.प्र में भाजपा का विजय पताका फहराने पर सभी कार्यकर्ताओं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं श्री केशव प्रसाद मौर्या जी को बधाई। यह जीत भाजपा की विचारधारा एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरीब कल्याण योजनाओं और विकासशील शासन में जनता के विश्वास की जीत है। भारतीय जनता पार्टी में विश्वास प्रकट कर यह ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए उत्तर प्रदेश की जनता का कोटि-कोटि अभिनन्दन।

-अमित शाह

सौर ऊर्जा वर्तमान के साथ भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी और नागरिकों को नियमित सस्ती ऊर्जा पहुंचाएगी।

-पीयूष गोयल

व्यंग्य चित्र

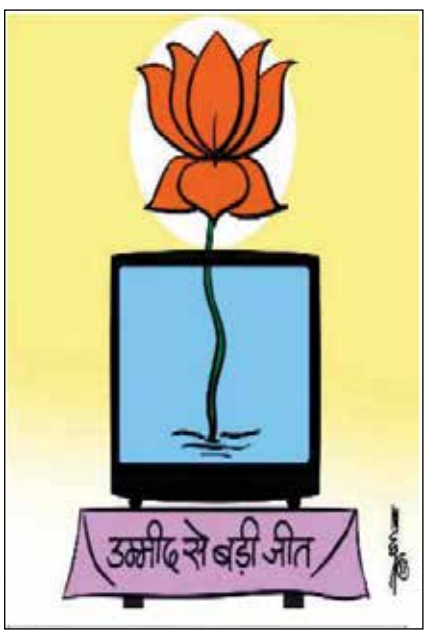

साभार : ट्विटर अकाउंट

महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के बलिदान दिवस (23 मार्च) पर

'कमल संदेश' की ओर से

शत-शत नमन!

पाथेय

हमारे आलोचकों के अनुसार सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अलगाववादी और साम्प्रदायिक है, परन्तु इस आक्षेप का कोई आधार नहीं है। हिन्दुत्व की परिभाषा के अनुसार यह सर्वव्यापी धारा है और पंथनिरपेक्षता के सच्चे अर्थ सर्वपंथ समभाव से पूर्णतया मेल खाती है। इसका अर्थ सभी नागरिकों के साथ न्याय है। हिन्दुत्व की इसी आन्तरिक शक्ति ने छद्म पंथनिरपेक्षतावादियों की वोट-बैंक की राजनीति को रोकने में सहायता की है। अटल राष्ट्रवाद के प्रति हमारी वचनबद्धता ने ही हमें इतने वर्षों तक जीवित रखा है तथा अनेक विघ्न-बाधाओं से विजय प्राप्त करने में हमारी सहायता की है।

-कुशाभाऊ ठाकरे

भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश

जैसे ही पांचों राज्यों के चुनाव परिणामों के रूझान आने लगे पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। 11 मार्च 2017 इतिहास के पन्नों में देश की राजनीति में व्यापक परिवर्तन लाने वाले दिन के रूप में दर्ज हो गया। महीनों से चल रहे चुनावी समर के परिणामों के साथ जनता ने इस ऐतिहासिक परिवर्तन का जनादेश दे दिया। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में तो जनता ने भाजपा को प्रचण्ड जनादेश दिया। गोवा और मणिपुर जहां किसी पार्टी को बहुमत प्राप्त नहीं हुआ, अन्य दलों ने भाजपा को तत्काल समर्थन दे दिया। कांग्रेस को पंजाब में सत्ता मिली। पांच में से चार राज्यों में जनता ने भाजपा को चुना। यह प्रचण्ड जनादेश है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में तो भाजपा को तीन चौथाई से भी अधिक सीटें मिली तथा विपक्ष का पूरी तरह सफाया हो गया। मणिपुर में जहां अब तक भाजपा कहीं नहीं थी, वहां सरकार बनाने में सफल रही। इससे अब कोई इंकार नहीं कर सकता कि यह जीत विकास एवं 'परफॉरमेंस की राजनीति' की जीत है। जाति, संप्रदाय, वंशवाद एवं परिवारवाद की राजनीति को जनता अब खारिज कर रही है। भ्रष्टाचार, कुशासन एवं अक्षमता को दण्डित किया जा रहा है। बदले राजनैतिक परिवेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा एक नई आशा बनकर उभरी है।

> जनसंघ के समय से ही भाजपा का भारत में प्राचीन काल से ही राष्ट्रीयता की भावना से भरे होने का विश्वास रहा है। भाजपा को प्रचण्ड जनमत देकर जनता ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वे जाति-पंथ-संप्रदायों में बंटे हुए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, विकास, सुशासन, परफॉरमेंस एवं राष्ट्रवाद के पक्ष में हैं। राष्ट्रवाद एवं लोकतंत्र में अटूट विश्वास का संदेश देते हुए जन-मन ने नये भारत के लिये अपना संकल्प व्यक्त किया है।

एक ओर जहां राजनैतिक विश्लेषक इस जनादेश के विभिन्न पहलुओं पर बहस करते रहेंगे, परन्तु यदि उन्होंने यथार्थ को नहीं स्वीकारा तो उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध बनी रहेगी। 'मार्क्सवाद-सेकुलरवाद' की खंडित अवधारणा में फंसी कांग्रेस 'जाति-संप्रदाय-क्षेत्रवाद' की विभाजक राजनीति में फंस गई है। भारतीय समाज को औपनिवेशिक-मार्क्सवादी चश्मे से देख कांग्रेस एवं इसके सहयोगी भारत को अलग-अलग घटकों में बंटा हुआ मानने लगी। इनकी सबसे बड़ी भूल भारत की प्राचीन विरासत, सुदृढ़ एकता एवं राष्ट्रीयता से इंकार करना रहा है। उभरते हुए नये राजनैतिक परिवेश में उनके विचार अप्रासंगिक हो रहे हैं तथा उनके दावों को जनता ने अब खारिज करना शुरू कर दिया है। जनसंघ के समय से ही भाजपा का भारत में प्राचीन काल से ही राष्ट्रीयता की भावना से भरे होने का विश्वास रहा है। भाजपा को प्रचण्ड जनमत देकर जनता ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वे जाति-पंथ-संप्रदायों में बंटे हुए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, विकास, सुशासन, परफॉरमेंस एवं राष्ट्रवाद के पक्ष में हैं। राष्ट्रवाद एवं लोकतंत्र में अटूट विश्वास का संदेश देते हुए जन-मन ने नये भारत के लिये अपना संकल्प व्यक्त किया है।

इतने प्रचण्ड जनादेश से भाजपा का दायित्व कई गुणा बढ़ गया है। अब न केवल व्यवस्था, इसके क्रिया-कलाप एवं कार्य संस्कृति बदलने का समय है, बल्कि भारतीय समाज संस्कृति एवं इसकी आकांक्षाओं के बारे में समझ बदलने का भी दायित्व है। भारतीयता में आस्था रखने वाली भाजपा का अब यह दायित्व है कि वह मानव कल्याण हेतु इस ऐतिहासिक जनादेश का उपयोग करे। अब भारतीय राजनीति को भ्रष्टाचार, कुशासन, जातिवाद-संप्रदायवाद, परिवारवाद, वंशवाद के दलदल से निकालकर विकास, सुशासन एवं प्रामाणिक-पारदर्शी व्यवस्था का कमल खिलाने का काम भाजपा को करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में एक नया भारत अंगड़ाई ले रहा है, जहां गरीब, वंचित, शोषित, युवा, महिला को समर्पित सरकार पूरे देश के सर्वांगिण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। भारत की धमक अब विश्व पटल पर सुनाई दे रही है। इन सबका परिणाम है यह ऐतिहासिक जनादेश। दरअसल, यहां की जनता ने इतिहास बदलने का ऐतिहासिक जनादेश दिया है। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

भाजपा ने रचा इतिहास

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में मिलीं तीन-चौथाई से भी ज्यादा सीटें

हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को शानदार सफलता मिली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अभूतपूर्व जनादेश प्राप्त करते हुए पार्टी ने जहां तीन-चौथाई से भी ज्यादा सीटें प्राप्त कीं, वहीं गोवा और मणिपुर में वह सरकार बनाने में सफल रही। जबकि पंजाब में भाजपा गठबंधन को सफलता नहीं मिली। यदि संपूर्णता में देखें तो इन पांच राज्यों के जनादेश ने देशभर में भाजपा की ताकत में जबर्दस्त इजाफा किया। देश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सुयोग्य नेतृत्व और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह की रणनीति पर फिर मुहर लगाई। भाजपानीत राजग सरकार द्वारा काले धन, भ्रष्टाचार और आतंकवादियों को फंडिग पर नोटबंदी से करारी चोट करने के साथ-साथ सर्जिकल स्ट्राइक कर सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के चलते विभिन्न राज्यों के मतदाता भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन जाहिर कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश

प्रदेश में भाजपा ने तीन-चौथाई से भी ज्यादा सीटें प्राप्त कर इतिहास रच दिया। प्रदेश की सरकार में भाजपा ने 14 साल बाद वापसी की है। राज्य की कुल 403 सीटों में से भाजपा को 312 सीटों पर जीत मिली। यह

दलवार मत हिस्सेदारी

{मत %, मतगणना}

भाजपा	{39.7%,34403039}
बसपा	{22.2%,19281350}
सपा	{21.8%,18923689}
कांग्रेस	{6.2%,5416324}
आईएनडी	{2.6%,2229448}
आरएलडी	{1.8%,1545810}
अदल	{1.0%,851336}
एसबीएसपी	{0.7%,607911}
एनआईएनएसएचएडी	{0.6%,540542}
पीईसीपी	{0.3%,227998}
एआईएमआईएम	{0.2%,205232}
एलडी	{0.2%,181704}
बीएमयूपी	{0.2%,152844}
सीपीआई	{0.2%,138763}
एनओटीए	{0.9%,757643}

उत्तर प्रदेश

दल का नाम	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	312
बहुजन समाज पार्टी	19
इंडियन नेशनल कांग्रेस	7
राष्ट्रीय लोक दल	1
समाजवादी पार्टी	47
अपना दल (सोनेलाल)	9
निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल	1
सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी	4
निर्दलीय	3
कुल	403

गरीबों की ताकत को समझता हूं: नरेंद्र मोदी

विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में आयोजित अभिनंदन समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं होते हैं, बल्कि यह लोकशिक्षण का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि अकल्पनीय भारी मतदान के बाद अकल्पनीय भारी विजय होता है, यह पोलिटिकल पंडितों के लिए विचार करने को मजबूर करता है। भावनात्मक मुद्दों के अलावा विकास एक कठिन चुनावी मुद्दा होता है। पिछले 50 सालों में विभिन्न राजनीतिक दल इस मुद्दे से कतराते रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जीत के लिए भाजपा की चार पीढ़ियां खप गईं। हर चुनाव के साथ हमारा समर्थन बढ़ता गया। यह भाजपा का स्वर्णिम युग है। उन्होंने कहा, चुनाव में कौन जीता, कौन हारा, मैं इस दायरे में सोचने वालों में से नहीं हूं। चुनाव का नतीजा हमारे लिए जनता जनार्दन का पवित्र आदेश होता है। जीत के फल के बाद और अधिक नम्र होना हमारी जिम्मेदारी है। सत्ता जनता की सेवा करने का एक अवसर होती है। श्री मोदी ने कहा, मैं देश की गरीबों की शक्ति को पहचान पाता हूं और राष्ट्र के निर्माण में गरीबों को जितना ज्यादा अवसर मिलेगा, देश उतना प्रगति करेगा। गरीब को अगर काम का अवसर मिला, तो वह देश के लिए ज्यादा काम करके दिखाएगा। मध्यम वर्ग का बोझ कम होना चाहिए। एक बार गरीब के अंदर खुद का बोझ उठाने की क्षमता आ जाएगी, तब मध्यम वर्ग का बोझ कम हो जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पांचों राज्यों की जनता का धन्यवाद देते हुए कहा कि जिन्होंने वोट दिया भाजपा की सरकार उनकी भी है, जिन्होंने नहीं दिया उनकी भी है। इसलिए वोट दिया कि नहीं दिया यह कोई मायने नहीं रखता। प्रधानमंत्री ने कहा सरकार सबकी होती है, सबके लिए होती है और सबको साथ लेकर चलने के लिए होती है। सरकार को कोई भेदभाव करने का हक नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने कहा था कि हमसे गलती हो सकती है, लेकिन गलत इरादे से कोई काम नहीं करेंगे। देश से दूसरा वादा मैंने ये किया था कि कि हम परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे। तीसरी बात मैंने कही थी कि हम जो कुछ करेंगे, प्रामाणिकता के साथ करेंगे। उन्होंने अपने बारे में कहा कि मैं ऐसा प्रधानमंत्री हूं, जिससे पूछा जाता है कि इतनी मेहनत क्यों करते हो। इससे बड़ा जीवन का सौभाग्य क्या हो सकता है।

श्री नरेंद्र मोदी के भव्य अभिनंदन समारोह में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये होली देश और भाजपा दोनों के लिए अनोखा रंग लेकर आई है। उन्होंने कहा कि यूपी की जीत हर मामले में अप्रत्याशित रही। उत्तराखंड में भी प्रचंड बहुमत के साथ बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। मणिपुर और गोवा में भी वहां की जनता ने भाजपा को भरपूर समर्थन दिया और हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। पांचों राज्यों के चुनावों के नतीजे 2014 के लोकसभा चुनावों से भी दो कदम आगे है।

गौरतलब है कि इस समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ली मेरीडियन होटल से भाजपा दफ्तर तक पैदल पहुंचे। इस दौरान उन पर फूलों की बारिश की गई। भाजपा मुख्यालय पहुंचने के बाद श्री मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर फूल चढ़ाए। भाजपा के इस जश्न में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। पार्टी मुख्यालय में ढोल-नगाड़े की थाप पर भाजपा कार्यकर्ता नाचते-गाते दिखे।

भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वागत की भव्य तैयारी की गई। वहां होली के रंगीन होर्डिंग के जरिये विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया गया। पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री मोदी के बड़े-बड़े कटआउट लेकर सड़कों के दोनों ओर खड़े दिखे। स्वागत समारोह में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

उत्तराखंड	
दल का नाम	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	57
इंडियन नेशनल कांग्रेस	11
निर्दलीय	2
कुल	70

दलवार मत हिस्सेदारी

{मत %, मतगणना}

भाजपा	{46.5%,2312912}
कांग्रेस	{33.5%,1665664}
आईएनडी	{10.0%,499625}
बीएसपी	{7.0%,347507}
यूकेकेडी	{0.7%,37039}
एसपी	{0.4%,18202}
एनओटीए	{1.0%,50408}

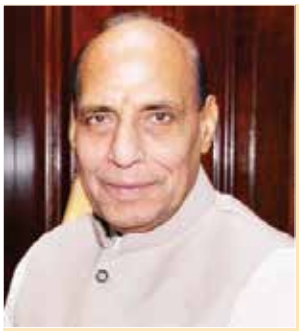

यह महाविजय है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में सफलता की नई बुलंदियां छूकर देश की राजनीतिक तस्वीर बदल दी है। जीत प्रधानमंत्री मोदीजी की जनता में विश्वसनीयता, उनके कुशल नेतृत्व तथा सुशासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की है।

—राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री

किसी राजनीतिक दल की आज तक की सबसे बड़ी जीत है। वहीं भाजपा की सहयोगी पार्टियां, अपना दल (सोनेलाल) ने 9 सीटों पर विजय प्राप्त की और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को भी चार सीटें मिलीं। इस तरह भाजपा गठबंधन को कुल 325 सीटें हासिल हुईं। कांग्रेसी हाथ के सहारे चली सपा की साइकिल पंक्चर हो गई। समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन को कुल 54 सीटें हासिल हुईं, जिनमें से 47 सीटें सपा को और 7 सीटें कांग्रेस को मिलीं। सपा के ज्यादातर मंत्री चुनाव हार गए। अखिलेश सरकार में 54 मंत्री थे, इनमें 49 को चुनाव मैदान में उतारा गया था। इनमें 35 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा। मायावती की बसपा का तो बहुत बुरा हाल हुआ और उसे केवल 19 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। राष्ट्रीय लोक दल भी अपना गढ़ नहीं बचा सकी। उसका खाता केवल छपरौली में ही खुल सका। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल को 1 तथा निर्दलीय को 3 सीटें मिलीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उत्तर प्रदेश में जमकर चुनाव-प्रचार किया और बड़ी संख्या में जनसभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुरक्षा चुनौतियों की परवाह न करते हुए अपने संसदीय क्षेत्र बनारस में रोड-शो किया, जिसका व्यापक प्रभाव पड़ा। चुनाव को लेकर भाजपा ने जबर्दस्त तैयारी की थी। पार्टी अपनी परिवर्तन यात्रा के दौरान 233 छोटी-बड़ी सभाओं के जरिए राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र से संपर्क कर चुकी थी। हर वर्ग को जोड़ने के लिए अभियान चलाया गया। 200 से अधिक पिछड़ा वर्ग सम्मेलन, डेढ़ दर्जन दलित स्वाभिमान सम्मेलन, 14 व्यापारी सम्मेलन और 100 के करीब युवा सम्मेलन किए।

उत्तराखंड

उत्तराखंड में भी जनता ने भाजपा के सिर पर विजय का सेहरा बांधा और कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। यह पहली बार है जब किसी पार्टी को यहां 50 से ज्यादा सीटें मिली हैं। भाजपा ने तीन-चौथाई से

शुरू होगा बदलाव का दौर: अमित शाह

विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से उत्साहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को दिया। उनके अनुसार श्री मोदी की गरीबोन्मुखी नीतियों के कारण ही भाजपा इतनी बड़ी जीत दर्ज कर पाई है। इसके साथ ही श्री शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जाति, धर्म के बंधन से ऊपर उठकर विकास के लिए वोट दिया है। इस जीत से भारतीय राजनीति की दिशा बदल जाएगी। उनके अनुसार इस जीत से श्री मोदी देश के सबसे कद्दावर नेता के रूप में भी उभरे हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि इन परिणामों से देश की राजनीति में बदलाव का दौर शुरू होगा और 'जाति, वंशवाद और तुष्टिकरण' की राजनीति खत्म हो जाएगी। मतलब साफ है कि अब राजनीतिक दल इस सबसे परे विकास की बात करेंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने मीडिया से कहा, 'यह विजय आने वाले दिनों में भारतीय राजनीति की दिशा बदल देगी। इससे जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति खत्म होगी।'

उन्होंने भाजपा मुख्यालय पर संवाददाताओं से कहा कि देश में अब विकास की राजनीति होगी। उन्होंने इसकी वकालत करते हुए कहा कि आजादी के बाद यह उत्तर प्रदेश में खासतौर पर सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने यह भी कहा अब तुष्टीकरण की राजनीति नहीं चलेगी और उसका दौर गया।

श्री शाह ने कहा, 'उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने जातिवाद, एक परिवार की उन्नति और तुष्टीकरण की राजनीति को खारिज कर दिया है। लोगों ने शासन और प्रदर्शन आधारित राजनीति के लिए मतदान किया है।'

श्री शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि लोगों ने स्वतंत्रता के बाद भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बड़ा जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश की जनता अब हिन्दू-मुस्लिम की बातों से बाहर निकल चुकी है। मतदाता सिर्फ मतदाता होता

है। सबको विकास चाहिए। सबको प्रगतिशील सरकार चाहिए और लोगों ने जाति, धर्म से उपर उठकर वोट किया है। श्री शाह ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरीबोन्मुख नीतियों पर जनता की मुहर है, जिसके कारण उत्तरप्रदेश में भाजपा दो तिहाई बहुमत से जीत दर्ज कर रही है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में जनता ने मोदीजी, भाजपा में जिस प्रकार का विश्वास व्यक्त किया था, उस पर प्रधानमंत्री शत-प्रतिशत खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड के अलावा गोवा, मणिपुर में भी सरकार बनाने जा रही है। पंजाब में अकाली दल-भाजपा गठबंधन का वोट प्रतिशत 30 प्रतिशत रहा है, जो उत्साहवर्धक है।

भी ज्यादा जनादेश प्राप्त अभूतपूर्व जीत हासिल की। राज्य की कुल 70 सीटों में से भाजपा ने 57 सीटों पर जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस को 11 सीटों से संतोष करना पड़ा। यहां निर्दलीय को 2 सीटें मिलीं। दो सीटों से चुनाव लड़ने वाले मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत दोनों ही जगहों से चुनाव हार गए।

गोवा

गोवा में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। कुल 40 सीटों में से कांग्रेस के खाते में 17 सीटें गईं, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा को 13 सीटें मिलीं। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी को तीन-तीन सीटें मिलीं। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को 1 तथा निर्दलीय को 3 सीटें मिलीं।

गोवा विधानसभा में आम आदमी पार्टी ने जीत का खूब दावा किया था, लेकिन वह एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हो सकी। भाजपा ने सर्वाधिक 32.5 फीसदी मत प्रतिशत हासिल किया, जबकि कांग्रेस 28.4 फीसदी मत हासिल कर पाई।

मणिपुर

मणिपुर में भी किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। कुल 60 सीटों में से कांग्रेस को 28 सीटें मिलीं। राज्य में भाजपा ने अपने

गोवा	
दल का नाम	विजयी
इंडियन नेशनल कांग्रेस	17
भारतीय जनता पार्टी	13
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी	1
महाराष्ट्रवादी गोमांतक	3
गोवा फॉरवार्ड पार्टी	3
निर्दलीय	3
कुल	40

दलवार मत हिस्सेदारी

{मत %, मतगणना}

भाजपा	{32.5%,297588}
कांग्रेस	{28.4%,259758}
एमएजी	{11.3%,103290}
आईएनडी	{11.1%,101922}
एएएपी	{6.3%,57420}
जीएफपी	{3.5%,31900}
एनसीपी	{2.3%,20916}
जीएसएम	{1.2%,10745}
यूजीपी	{0.9%,8563}
जीएसआरपी	{0.6%,5747}
जीआईपी	{0.6%,5379}
एनओटीए	{1.2%,10919

यह मोदी लहर है। 2014 के लोकसभा चुनाव से शुरू लहर 2017 में भी जारी है। जीत का श्रेय प्रधानमंत्री के नेतृत्व, सरकार की गरीबोन्मुखी नीतियों और पार्टी अध्यक्ष अमित शाह जी की रणनीति की जीत है।

— केशव प्रसाद मौर्य, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

मणिपुर	
दल का नाम	विजयी
इंडियन नेशनल कांग्रेस	28
भारतीय जनता पार्टी	21
नागालैंड पीपुल्स फ्रंट	4
नेशनल पीपुल्स पार्टी	4
आल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस	1
लोक जन शक्ति पार्टी	1
निर्दलीय	1
कुल	60

दलवार मत हिस्सेदारी

{मत %, मतगणना}

भाजपा	{36.3%,601527}
कांग्रेस	{35.1%,581869}
एनपीएफ	{7.2%,118850}
आईएनडी	{5.1%,83834}
एनपीईपी	{5.1%,83744}
एनईआईएनडीपी	{3.4%,56185}
एलजेपी	{2.5%,42263}
एआईटीसी	{1.4%,23384}
एमएनडीएफ	{1.2%,20120}
एनसीपी	{1.0%,15767}
सीपीआई	{0.7%,12251}
आरपीआई(ए)	{0.3%,4176}
पीडीए	{0.2%,3044}
एनओटीए	{0.5%,9062}

प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2012 में जहां पार्टी को 1 सीट मिली थी, इस बार 21 सीटों पर जीत हासिल हुई। वोट प्रतिशत में भाजपा ने कांग्रेस को पछाड़ दिया। नगा पीपुल्स फ्रंट और नेशनल पीपुल्स पार्टी को चार-चार सीटें मिलीं, वहीं लोक जनशक्ति पार्टी, आल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस और निर्दलीय को एक सीट मिली। विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा के मत-प्रतिशत में करीब 20 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भाजपा को इस बार 36.6 प्रतिशत मत मिले हैं, जबकि 2012 के चुनावों में उसे सिर्फ 2.12 फीसदी मत वोट मिले थे।

दलवार मत हिस्सेदारी

{मत %, मतगणना}

कांग्रेस	{38.5%,5945899}
शिअद	{25.2%,3898161}
आप	{23.7%,3662665}
भाजपा	{5.4%,833092}
आईएनडी	{2.1%,323243}
बीएसपी	{1.5%,234400}
एलआईपी	{1.2%,189228}
एसएडी (एम)	{0.3%,49260}
एपीपीए	{0.2%,37476}
आरएमपीओआई	{0.2%,37243
सीपीआई	{0.2%,34074}
एनओटीए	{0.7%,108471}

पंजाब

दल का नाम	विजयी
इंडियन नेशनल कांग्रेस	77
भारतीय जनता पार्टी	3
आम आदमी पार्टी	20
शिरोमणि अकाली दल	15
लोक इंसाफ पार्टी	2
कुल	117

पंजाब

राज्य की 117 सीटों में से कांग्रेस 77 सीटों पर सफल रही। सत्तारूढ़ शिअद-भाजपा गठबंधन के खाते में 18 सीटें गईं। शिरोमणि अकाली दल ने 15 तथा भारतीय जनता पार्टी ने 3 स्थानों पर जीत हासिल की। आम आदमी पार्टी को 20 सीटें मिलीं। ■

भाजपा केंद्रीय कार्यालय में जश्न

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों को लेकर सुबह साढ़े सात बजे ही लोग टेलीविजन पर चिपके हुए थे। जैसे ही मतगणना शुरू हुई और रूझान आने शुरू हुए लोगों की जिज्ञासा बढ़ती गई। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड चुनाव के रूझान जैसे ही आने लगे, वैसे ही दिल्ली के 11 अशोक रोड स्थित भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय पर भाजपा नेता और कार्यकर्ता जुटने शुरू हो गए। जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया भाजपा कार्यालय के बाहर भीड़ बढ़ती गई। चुनावी नतीजों से खुश लोग नाच रहे थे और मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने भाजपा के नारे लगाए। कार्यकर्ता हाथों में शंख और घंटियां भी लिए हुए थे।

11 मार्च को जैसे ही दोनों राज्यों में भाजपा को भारी बहुमत मिलने की खबर आई, दिल्ली भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में होली के दो दिन पहले ही होली का त्योहार मन गया। लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया और जमकर नाचे। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय पहुंचे उत्साहित कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाइयां बांटी। दिल्ली में भाजपा के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता अपने समर्थकों के साथ केन्द्रीय कार्यालय पहुंचे गए। लोग अपने साथ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पोस्टर लगे चित्र लेकर आए थे। कार्यकर्ता भाजपा की जय और मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। भाजपा कार्यालय तो कार्यालय दिल्ली में भी कई जगहों पर लोगों ने ढोल-नगाड़े बजाकर यूपी और उत्तराखंड में भाजपा की

जीत का जश्न मनाया। लोगों का कहना था कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को जनता से अच्छा सबक सिखाया। ■

संपादकीय टिप्पणी

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सहित हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत को राष्ट्रीय समाचार–पत्रों ने अपनी संपादकीय टिप्पणी में ऐतिहासिक बताया और इस जीत के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह की रणनीति को उल्लेखनीय बताया। हम यहां समाचार–पत्रों के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहे हैं –

नवभारत टाइम्स

पांच राज्यों के चुनाव नतीजों से कई चीजें साफ हुई हैं। बीजेपी की जीत दरअसल एक विजन की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के सामने भारत के विकास का एक ठोस विजन पेश किया है, जिसे लोगों ने एक बार फिर खुलकर समर्थन दिया है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी देश के विकास और जनता की खुशहाली के लिए अपना अलग नजरिया लेकर आए। वे जनता को सपने दिखाने और उसमें उम्मीद जगाने में सफल रहे। यही वजह है कि उन्हें जनता ने देश का नेतृत्व सौंप दिया। उसके बाद से अब तक के कार्यकाल में वे अपने उस नजरिए के अनुरूप ही कार्य करते रहे हैं। लोगों को उनकी मंशा पर संदेह नहीं है।

राष्ट्रीय सहारा

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम यह बताने को काफी हैं कि केसरिया रंग गहरा होता जा रहा है. उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी चार राज्यों पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर की बात करें तो जनादेश कई बहसों और मसलों को विस्तार देता दिखता है। भाजपा की उत्तर प्रदेश में प्रचंड जीत का असर पड़ोसी उत्तराखंड में भले ठसक के साथ परिलक्षित होता हो। लेकिन बाकी सूबों में परिणाम इस तरफ भी इशारा करते हैं कि वहां के रग-रग में बस जाने के लिए भाजपा को काफी कुछ ठोस करना होगा। हां, उत्तर पूर्व में आहिस्ता-आहिस्ता पग बढ़ाने और पार्टी की पैठ को गहरे तक पहुंचाने में चुनावी रणनीतिकार जरूर सफल हुए हैं। इन इलाकों में पार्टी की 'लुक ईस्ट पॉलिसी' और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' एक मायने में कारगर जरूर हुई है। यह इस दृष्टि से भी बेहद अहम है कि 2012 तक वहां भाजपा शून्य थी।

दैनिक जागरण

यदि पांच में से दो राज्यों में जीत के बाद भी केसरिया रंग और चटख दिख रहा तो इसका कारण यही है कि राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण राज्य में भाजपा ने विपक्षी दलों को चारों खाने चित्त कर दिया। यह प्रचंड जीत है और इसका श्रेय जाता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को और इस लोकप्रियता पर आधारित अमित शाह की रणनीति को। इस जीत का केवल यही मतलब नहीं कि भाजपा के आगे उसके विरोधी दल फीके पड़ गए। इस जीत का एक बड़ा मतलब यह भी है कि मोदी के लिए अगला लोकसभा चुनाव भी आसान हो गया और राज्यसभा में विपक्ष की बाधा पार करना भी। अच्छा होगा कि कम से कम अब विपक्षी दल राज्यसभा में अपने बहुमत का इस्तेमाल करके यह प्रदर्शित करना छोड़ें कि देश की जनता ने 2014 में गलती कर दी थी और उसे ठीक करने का काम उसके पास है। विपक्ष जब जरूरी हो तो सरकार का विरोध करे, लेकिन अपनी नकारात्मकता छोड़े। निःसंदेह उसे हार स्वीकार करना भी आना चाहिए।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रबल जीत के साथ मणिपुर में एक बड़े दल के रूप में भाजपा का उभार मोदी की लोकप्रियता पर मुहर लगाने के साथ ही यह भी बताता है कि बतौर प्रधानमंत्री उनके सामने जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने की चुनौती और बढ़ गई है। मोदी के प्रति जनता के भरोसे की बड़ी वजह विकास की चाह पूरी होने की उम्मीद है।

दैनिक ट्रिब्यून

इन चुनावों में मोहर मोदी की छवि पर लगी है क्योंकि उ.प्र. व उत्तराखंड में भाजपा ने मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं उतारा। इस मायने में इन परिणामों को मोदी की लोकप्रियता में धनात्मक वृद्धि के रूप में देखा जाना चाहिए। वैसे भी उ.प्र. में सत्तारूढ़ समाजवादी पार्टी व कांग्रेस के गठबंधन और मायावती की सोशल इंजीनियरिंग को भेद पाना आसान नहीं था। अमित शाह की नई सोशल इंजीनियरिंग आखिरकार मायावती की रणनीति पर भारी पड़ी। जिसके बाबत भाजपा की दलील है कि यह जातिवादी राजनीति की पराजय है।

मोदी का राजनीतिक कद भी इन चुनाव परिणामों से मजबूत हुआ है। उनकी राष्ट्रीय नेता की छवि सशक्त हुई है, जिसे भाजपा आजादी के बाद के सबसे बड़े नेता के रूप में प्रचारित करने लगी है। एक बात तय है कि उ.प्र. का विशाल जनादेश पार्टी को बड़ी जिम्मेदारी का एहसास भी करा गया है। साथ ही वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को इन परिणामों का लाभ मिलेगा। उ.प्र. को दिल्ली की सत्ता का रास्ता कहते हैं क्योंकि इस बड़े राज्य से सबसे ज्यादा सांसद चुने जाते हैं, जो भाजपा के लिये राहत की बात हो सकती है। साथ ही कांग्रेस के लिये चिंता की बात है कि वह लगातार जारी पराभव को कैसे रोके। ■

चुनावी नतीजों को ऐसे देखा विदेशी मीडिया ने

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और उनके नतीजों पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया की भी नजर थी। इनकी रिपोर्टों और टिप्पणियों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और उनके प्रचार-अभियान को दिया गया। इन विश्लेषणों में स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश केंद्र में है तथा इस आधार पर 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की बढ़त को भी रेखांकित किया गया। प्रस्तुत हैं कुछ चुनिंदा टिप्पणियां...

मोदी के काम का जनमत संग्रह है चुनाव परिणाम

भारत के प्रमुख राज्य में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम में भारत की सत्ताधारी हिंदुवादी पार्टी ने भारी जीत हासिल की। भाजपा को मिली यह जीत असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा किये गये काम का जनमत संग्रह था। इस चुनाव में भाजपा ने जहां हिंदी के गढ़ उत्तर प्रदेश में बड़ी जीत दर्ज की, वहीं उत्तर भारत के एक अन्य राज्य उत्तराखंड में भी भाजपा ने कांग्रेस, जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख विपक्षी पार्टी है, से सत्ता छीन ली। यहां कांग्रेस को महज 11 सीटों पर जीत मिली और उसने भाजपा के हाथों अपनी सत्ता गंवा दी, लेकिन इस चुनाव में पंजाब के परिणाम ने कांग्रेस की लाज रख ली। इस राज्य में कांग्रेस ने बीजेपी और शक्तिशाली क्षेत्रीय पार्टी अकाली दल के गठबंधन को हराकर सत्ता हासिल की। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हार से यह साबित हो गया कि इस प्रदेश में कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी अपना प्रभाव छोड़ने में असफल रहे।

इस प्रदेश में मोदी ने धुआंधार चुनाव प्रचार किया था, जिस कारण उन्हें यहां इतनी बड़ी जीत मिली। इस जीत से मोदी का मनोबल काफी बढ़ जायेगा। इस प्रकार मोदी ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। जबकि नवंबर में भारत में हुए पांच सौ और हजार रुपये के नोट को बंद करने के सरकार के फैसले के बाद गरीबों को हुई परेशानी को देखते हुए कांग्रेस सहित भाजपा की दूसरी प्रतिद्वंद्वी पार्टियों ने यह उम्मीद जतायी थी कि इसके लिए चुनाव में जनता मोदी को दंड देगी।

– अशोक शर्मा/द वाशिंगटन पोस्ट

इस जीत से और मजबूत हुए हैं मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी अगुवाई में भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज कर खुद को और शक्तिशाली कर लिया है। इस जीत के साथ ही मोदी ने 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने को लेकर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिस प्रकार की जीत हासिल हुई है, वह स्तब्ध कर देने वाली है, क्योंकि यह चुनाव मोदी द्वारा नोटबंदी जैसे जोखिम भरे कदम उठाने के बाद

हुआ था। इस चुनाव में मोदी ने जबरदस्त प्रचार किया था और यह जीत एक प्रकार से प्रधानमंत्री के कार्यों का जनमत संग्रह ही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा को जैसी जीत मिली है, वह पिछले 30 वर्षों में किसी भी दल द्वारा प्राप्त की गयी जीत से बड़ी है। इस जीत से 2019 के आम चुनाव में मोदी को महत्वपूर्ण बढ़त प्राप्त होगी।

नतीजा, मोदी के दीर्घकालिक लक्ष्य कि वे ऐतिहासिक महत्व के नेता के तौर पर स्थापित हों, भारत ज्यादा समाजवादी और धर्म-निरपेक्ष देश की अपनी पूर्व की छवि से बाहर निकले, के और करीब पहुंच जायेंगे। इस चुनाव में कांग्रेस, जो एक समय भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली पार्टी थी, ने पंजाब में जीत दर्ज कर और दो छोटे

राज्यों में प्रतिस्पर्धा में बने रहकर यह दिखा दिया है कि राष्ट्रीय स्तर पर अभी भी उसका प्रभाव है। वहीं भ्रष्टाचार का विरोध कर भारतीय राजनीति में उभरने वाली आम आदमी पार्टी की इस चुनाव में हुई हार ने यह साबित कर दिया है कि वह देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस की जगह लेने के लिए अभी तैयार नहीं है।

– गीता आनंद/द न्यूयार्क टाइम्स

भाजपा की जीत से और मजबूत हुए मोदी

भारत के सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य में भाजपा की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने कार्यकाल के दूसरे हिस्से में अधिक मजबूती मिलेगी। मोदी अब भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी मुहिम और आर्थिक विकास के एजेंडे को जोर-शोर से लागू कर सकेंगे। हालांकि, संसद में मोदी सरकार के बिलों को रोकने में विपक्ष अब भी सक्षम बना रहेगा, लेकिन इस बड़ी जीत के बाद 2019 चुनावों से पहले मोदी सरकार को अपना एजेंडा लागू करने में काफी सहूलियतें मिलेगी। भाजपा इस जीत को मोदी के उस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में देख रही है, जिसके तहत नवंबर में मोदी सरकार ने 86 प्रतिशत भारतीय मुद्रा को चलन से बाहर कर दिया था। इस फैसले से प्रभावित लाखों लोगों को बैंकों के सामने कतारों में खड़ा होना पड़ा था।

मोदी ने अपने इस फैसले को गरीबों के पक्ष में और समृद्ध कर चोरों के खिलाफ कार्रवाई के रूप दिखाया। इस समर्थन के बाद मोदी की कालेधन के खिलाफ जंग और तेज होगी। भाजपा के शासन के तहत आनेवाली देश की आधी से अधिक आबादी पर मोदी की पकड़ मजबूत हो गयी है।

– निहारिका मंधाना और रेमंड जोंग/द वाल स्ट्रीट जर्नल

यूपी में भाजपा जीत है मोदी के लिए टर्निंग प्वाइंट

मई, 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी भाजपा की धमाकेदार जीत के बाद 15 से अधिक राज्यों में चुनाव हो चुके हैं। ज्यादातर चुनाव एक साथ या एक-एक करके पांच मौकों पर हुए, यानी लगभग हर छह महीने बाद देश चुनावी कवायद से गुजरा। लेकिन, 11 मार्च को आये चुनाव परिणाम राजनीतिक दृष्टिकोण से अब तक का सबसे अहम चुनाव था। यूपी की 403 विधानसभा सीटों में अपने सहयोगियों के साथ भाजपा 325 सीटें यानी 80 फीसदी सीटें जीतने में कामयाब रही। आज तक कोई भी पार्टी, यहां तक कि इंदिरा गांधी (1980 में कांग्रेस ने 309 सीटें जीती थी) के कार्यकाल में भी कांग्रेस यह कारनामा नहीं कर सकी है। निश्चित ही यह जीत मोदी की नीतियों पर मुहर है। राज्य में मुसलिमों की बड़ी आबादी होने और मुसलिम प्रत्याशियों को टिकट नहीं देने के बाद भी भाजपा की यह जीत कई मायनों में अहम है।

यह जीत 86 प्रतिशत मुद्रा को विमुद्रित करने और पाकिस्तानी क्षेत्र में मिलिट्री स्टाइक के फैसले को प्रमाणित करती है। उक्त दोनों ही मुद्दों से मोदी ने बहुसंख्यक आबादी को आकर्षित करने और गरीबों को अपने पक्ष में करने की रणनीति बनायी। चुनाव परिणाम यह प्रदर्शित करते हैं कि मोदी की यह रणनीति सफल साबित हुई। वर्ष 2014 और अन्य राज्यों के चुनावों के प्रचार के दौरान मोदी हिंदू राष्ट्रवादी भावनाओं और लोकलुभावन आर्थिक व सामाजिक मुद्दों को समय-समय पर उठाते रहे।

– नीलांजन मुखोपाध्याय/अलजजीरा

यूपी में जीत मोदी की नीतियों पर मुहर

भारत के सबसे बड़ी आबादी वाले और राष्ट्रीय राजनीति को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले राज्य पर नियंत्रण कर लेने से नरेंद्र मोदी का भारतीय राजनीति में कद और बढ़ गया है। यह चुनाव 2019 के चुनावों में सत्ता वापसी के लिए रास्ता तैयार कर दिया है। विमुद्रीकरण के फैसले के बाद देश के कई हिस्सों में नकदी समस्या हुई थी, लेकिन मोदी ने इसे कालेधन पर कार्रवाई के रूप में प्रदर्शित किया। यह रणनीति न केवल कामयाब हुई, बल्कि भाजपा का आधार मतदाता माने जाने वाले ऊंची हिंदू जातियों व व्यापारियों के अलावा अन्य तबकों में पहुंच बनी। इससे स्पष्ट है कि मोदी की लोकप्रियता प्रधानमंत्री बनने के लगभग तीन साल बाद भी बरकरार है। मोदी के व्यक्तित्व और विश्वसनीयता के स्तर पर विपक्ष का कोई नेता नहीं टिकता। भ्रष्टाचार का अब तक कोई मामला नहीं आने से मोदी सरकार की छवि साफ बनी हुई है। लोगों में यह विश्वास यह है कि यह व्यक्ति बिना थके पूर्ण ऊर्जा के साथ दिन के चौबिसों घंटे काम करता है।

– माइकल सफी/द गार्डियन

मोदी लहर से यूपी में सफाया

आबादी के लिहाज से भारत के सबसे बड़े राज्य यूपी में सात चरणों में चुनाव संपन्न हुए। सभी चरणों में मोदी ने बिना थके चुनाव प्रचार किया और अपने संसदीय क्षेत्र में तो तीन दिनों तक डेरा जमाये रखा। यूपी के अलावा उत्तराखंड, भारतीय पंजाब, गोवा और मणिपुर विधानसभाओं के लिए चुनाव हुए। हिमालय के तलहटी क्षेत्र में स्थित उत्तराखंड में भाजपा ने कांग्रेस की खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की, तो पंजाब में अपने सहयोगी अकाली दल के साथ हार गयी।

– जावेद नकवी/डॉन, पाकिस्तान

सुर्खियां

रॉयटर्स: पीएम के तीन साल के शासनकाल का जनमत संग्रह
अल जजीरा: अमीरों के खिलाफ गरीबों की जंग बनी नोटबंदी
वॉशिंगटन पोस्ट: मोदी का जन समर्थन बरकरार
गार्डियन: पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों पर मुहर
सीएनएन: विकास का एजेंडा आगे बढ़ेगा
टेलीग्राफ: यह सिर्फ भारत के पीएम मोदी की जीत
बीबीसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मनोबल बढ़ेगा ■

गोवा के मुख्यमंत्री बने मनोहर पर्रिकर

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर चौथी बार गोवा के मुख्यमंत्री बने। गत 14 मार्च को श्री पर्रिकर ने गोवा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा ने उन्हें शपथ दिलाई। उनके साथ आठ मंत्रियों ने भी शपथ ली। मंत्री पद की शपथ लेने वाल में फ्रांसिस डिसूजा, पांडुरंग मडकैकर, विजय सरदेसाई, सुदिन धवलीकर, एमजीपी के विधायक त्रयंबक अजगांवकर और निर्दलीय विधायक रोहन खाउंते भी शामिल रहे। फ्रांसिस डिसूजा गोवा के उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी भी उपस्थित रहे।

मनोहर पर्रिकर ने साबित किया बहुमत, 22 विधायकों का मिला समर्थन

गोवा विधानसभा में भाजपा ने 16 मार्च को बहुमत साबित कर दिया। मुख्यमंत्री श्री मनोहर पर्रिकर को 22 विधायकों का समर्थन मिला। विश्वास मत परीक्षण के समर्थन में 22 विधायकों ने वोट दिए, जबकि विरोध में 16 विधायकों ने वोट दिए। वहीं एक विधायक अनुपस्थित रहा। कांग्रेस विधायक श्री विश्वजीत राणे ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। विदित हो कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद श्री मनोहर पर्रिकर को 16 मार्च तक अपना बहुमत साबित करना था।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले और चौथी बार गोवा के मुख्यमंत्री बनने वाले 61 वर्षीय श्री पर्रिकर को अपने गठबंधन के सहयोगियों गोवा फारवर्ड पार्टी (जीएफपी), महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) और निर्दलियों ने समर्थन दिया। भाजपा के 13 विधायक हैं। आईआईटी से पढ़ाई करने वाले श्री पर्रिकर ने जीएफपी, एमजीपी के अलावा दो निर्दलियों के समर्थन से कुल 21 सदस्यों के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। एक अन्य निर्दलीय विधायक ने गठबंधन को समर्थन दिया था जिससे यह संख्या बढ़कर 22 हो गई।

"शपथ-ग्रहण पर मनोहर पर्रिकर और उनकी टीम को बधाई। गोवा को प्रगति की नयी उंचाइयों पर ले जाने के लिए मेरी शुभेच्छाएं।" —**नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

"गोवा के नए मुख्यमंत्री श्री मनोहर पर्रिकर एवं उनके मंत्रिमंडल को हार्दिक बधाई! मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में राज्य निरंतर समृद्ध होगा।" —**अमित शाह,** भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

राज्य के विकास के लिए मिला समर्थन : मनोहर पर्रिकर

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री श्री मनोहर पर्रिकर ने कहा कि अगर आपके (कांग्रेस) पास समर्थन था तो राज्यपाल के पास क्यों नहीं गए। भाजपा को गोवा में सरकार बनाने के लिए जो समर्थन मिला है वो राज्य के विकास के लिए मिला है। कोई भी विधायक कांग्रेस को समर्थन देने को तैयार नहीं था। मैं मानता हूं कि जनादेश खंडित है, लेकिन 22 विधायकों के समर्थन के साथ वोट शेयर जरूरत से ज्यादा है। ये चुनाव के बाद वाला गठबंधन है। ■

एन. बीरेन सिंह बने मणिपुर के मुख्यमंत्री

राज्य में पहली बार भाजपा सरकार

श्री एन बीरेन सिंह ने 15 मार्च को मणिपुर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनका यह शपथ कार्यक्रम इम्फाल के राज भवन में हुआ। राज्यपाल श्रीमती नजमा हेपतुल्ला ने श्री बीरेन सिंह के अलावा आठ कैबिनेट मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री राम माधव, केन्द्रीय मंत्री सर्वश्री प्रकाश जावड़ेकर एवं पीयूष गोयल उपस्थित रहे। एनपीपी के वाई जॉयकुमार ने उप मुख्यमंत्री की शपथ ली। बाकी जिन मंत्रियों ने शपथ ली उसमें भाजपा के विश्वजीत, एनपीपी के एल जयंतकुमार, लोजपा के करण श्याम, एनपीपी के एल होकिप, एनपीपी के ही एन कोयिसी, एनपीएफ के लूसी दिखो, कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने वाले श्यामकुमार के नाम शामिल हैं।

पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में 56 साल के श्री एन बीरेन सिंह के मुख्य मंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पहली बार भाजपा की सरकार बन गई। श्री बीरेन ने फुटबॉल के मैदान से सियासत के मैदान तक का सफर तय किया है। वे राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉलर रह चुके हैं। बाद में उन्होंने पत्रकारिता को करियर बनाया। 2002 में उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत क्षेत्रीय पार्टी, डेमोक्रेटिक पीपुल्स पार्टी से जुड़कर की। वे राज्य की हेनगांग विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। वर्ष 2007 और 2012 में हुए चुनाव में भी वे अपनी सीट बरकरार रखने में सफल रहे। श्री बीरेन मंत्री के रूप में राज्य के कई विभागों का कार्यभार संभाल चुके हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भी श्री बीरेन हेंनगांग सीट से चुनाव जीते। 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में कांग्रेस ने 28 और भाजपा ने 21 सीटें जीतीं। अन्य छोटे दलों, एक निर्दलीय और कांग्रेस के एक विधायक के समर्थन से भाजपा को 32 विधायकों का समर्थन मिला, जो सरकार गठन के लिए पर्याप्त है।

"बीरेन सिंह और उनकी पूरी टीम को शपथ ग्रहण की बधाई। मुझे भरोसा है कि उनकी टीम और वह मणिपुर के विकास के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे।" —**नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

"मैं भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से मणिपुर के नए मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह जी, उनके मंत्रिमंडल एवं मणिपुर के सभी दलों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।"
—**अमित शाह,** भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

हमारी सरकार अच्छा शासन देगी : बीरेन सिंह

भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद श्री बीरेन सिंह ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। मैंने कांग्रेस सरकार के कुशासन का विरोध करते हुए इस पार्टी को छोड़ा था। मैं आश्वस्त करता हूं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में हमारी सरकार अच्छा शासन देगी।' ■

यह जनादेश मोदीजी के प्रति गरीबों की श्रद्धा का द्योतक है

भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड ने प्रस्ताव पारित कर विधानसभा चुनावों में मिले अभूतपूर्व जनसमर्थन के लिए प्रदेशों की जनता के प्रति हार्दिक आभार जताया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह को हार्दिक बधाई दी। बोर्ड ने अपने दूसरे प्रस्ताव में छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में शहीद सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि दी। प्रस्तुत है दोनों प्रस्तावों का पूरा पाठ-

भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पार्टी को विधानसभा चुनावों में मिले अभूतपूर्व जनसमर्थन के लिए प्रदेशों की जनता का हार्दिक आभार एवं अभिनन्दन करती है। यह जनादेश श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति देश के करोड़ों गरीबों की श्रद्धा का द्योतक है। इस जनादेश से श्री नरेन्द्र मोदी जी के कठोर परिश्रम, निस्वार्थ, दूरदृष्टि पूर्ण नेतृत्व एवं करोड़ों गरीबों के प्रति उत्कर्ष करने वाली संवेदनशील नीतियों को जनमानस की स्वीकृति प्राप्त हुयी है। निश्चित रूप से इस जनादेश से श्री नरेन्द्र मोदी देश में सर्वस्वीकृत जननायक के रूप में उभरे हैं।

संसदीय बोर्ड इस जनादेश को अभूतपूर्व मानती है, समाज के सभी राजनैतिक एवं सामाजिक ताकतों को जोड़ते हुए, हर वर्ग, चाहे गरीब या अमीर, शहरी हो या ग्रामीण सभी ने जातिगत एवं संकीर्ण राजनीति से ऊपर उठते हुए, विभाजनकारी एवं तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ सकारात्मक जनादेश भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में दिया है। माननीय प्रधानमंत्री जी का नेतृत्व की स्वीकार्यता एवं प्रभाव पूरे भारत में बढ़ा है। भारतीय जनता पार्टी को देशव्यापी रूप में जिस तरह लगातार चुनावी सफलता मिल रही है, वह श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल पर जनता के अनुमोदन की मुहर है। सबका साथ - सबका विकास के नारे के साथ मोदी सरकार ने सम्पूर्ण देश में बिना किसी तरह के सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक भेदभाव के जनकल्याण का कार्य किया है।

संसदीय बोर्ड माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विगत तीन वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के हितों में लिए गए साहसिक निर्णयों पर इस जनादेश का स्वागत करती है। केंद्र सरकार के नोटबंदी, उज्ज्वला योजना, विद्युतीकरण, फसल बीमा, मुद्रा योजना, हर घर शौचालय जैसे कार्यक्रमों से गरीबों के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती मिली है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने निर्णयकारी, गरीब कल्याणकारी, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के रूप में अपनी साख बनाई है।

संसदीय बोर्ड भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह को

विशेष रुप से उनके अथक परिश्रम एवं कुशल संगठनात्मक रणनीति के लिए बधाई देती है। श्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी संगठन का सामाजिक एवं भौगोलिक विस्तार पूरे देश में शीघ्रता से हुआ है। पार्टी संगठन ने विस्तार के इस क्रम में पार्टी ने उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में अभूतपूर्व सफलता पायी है। गोवा एवं मणिपुर में भी पार्टी को अच्छे परिणाम प्राप्त हुए है। मणिपुर में पार्टी का मत प्रतिशत 2% से बढ़कर 29% हुआ जो विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह भारतीय जनता पार्टी का इन राज्यों में अब तक का सर्वोच्च प्रदर्शन है, जिसमे पार्टी को इन प्रदेशों में सर्वाधिक वोट प्राप्त हुआ है। इन विधानसभा चुनावों में पार्टी में को जो भारी बहुमत प्राप्त हुआ है, उससे यह स्पष्ट है कि देश के बहुसंख्यक गरीब वर्ग ने भारतीय जनता पार्टी में विश्वास व्यक्त किया है। भारतीय जनता पार्टी सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत करती है, जिन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में बूथ स्तर तक अथक प्रयास करके इन चुनावों में पार्टी के पक्ष में सफ़लता अर्जित की।

भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में तीन-चौथाई सीटें मिलने पर वहां के प्रदेश की जनता को सुशासन की सरकार देने हेतु आश्वस्त करती है। पार्टी इस जनादेश को विनम्रता के साथ स्वीकार करती है। संसदीय बोर्ड संकल्प करता है कि भारत के लोकतान्त्रिक परंपरा को मजबूत करते हुए गरीब कल्याण के मार्ग पर इस जनादेश के साथ पार्टी की केंद्र एवं राज्य सरकारें मजबूती के साथ कार्य करेगी।

संसदीय बोर्ड सभी देशवासियों होली की शुभकामना देता है और विश्वास करता है कि होली के रंग देश में खुशहाली के अवसरों को बढ़ायेंगे।

प्रस्ताव क्रमांक – 2

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में शहीद सी.आर.पी.एफ. जवानों को श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड छत्तीसगढ़ में सी.आर.पी.एफ के 219 बटालियन के जवानों के टुकड़ी पर हुई नक्सली हमले में शहीद हुए 12 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। देश में अर्द्धसैनिक बलों के इन जवानों की शहादत पर देश को गर्व है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का मानना है कि यह कायरता पूर्ण हमला हताशा में बौखलाहट से किया गया कार्य है। नक्सलियों द्वारा किया गया यह हमला न केवल निंदनीय है अपितु मानवता के भी विरुद्ध भी है। संसदीय बोर्ड अपनी संवेदना को शहीद जवान के परिवारों को भी प्रेषित करता है। संसदीय बोर्ड का यह विश्वास है की केंद्र सरकार देश में व छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में नक्सलियों के इन कायरता पूर्ण हमलों पर उचित करवाई कर रही है और उसकी नीतियों से भविष्य में संविधान के विरुद्ध करने वाली नक्सली हिंसा को रोका जायेगा। ■

विदेशी नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बधाई!

विधान सभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के लिए विदेशी नेताओं और देश के गणमान्य व्यक्तियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी।

फ्रांस्वा ओलांद, *फ्रांस के राष्ट्रपति*

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांस्वा ओलांद ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और हाल ही में संपन्न हुए विधान सभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत पर बधाई दी।

शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, *अबू धाबी के क्रॉउन प्रिंस*

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की। पीएमओ ने एक ट्वीट में कहा, 'अबू धाबी के क्रॉउन प्रिंस श्री शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री से बातचीत की और चुनावों में जीत के लिए उन्हें बधाई दी।'

स्टीफेन हार्पर, *कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री*

उत्तर प्रदेश और राज्य चुनावों में निर्णायक जीत के लिए नरेंद्र मोदी और भाजपा को बधाई। श्री हार्पर ने अपने ट्वीट में कहा, 'भारत के नागरिकों द्वारा समर्थित साहसी नेतृत्व।' श्री मोदी ने कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री श्री स्टीफेन हार्पर की बधाई पर धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी शुभेच्छाओं के प्रति कृतज्ञ हैं।

लता मंगेशकर, *महान गायिका*

नमस्कार। आदरणीय नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को इस शानदार जीत पर बहुत बधाई।

श्रीश्री रवि शंकर, *आध्यात्मिक गुरू*

श्री श्री रवि शंकर ने अपने ट्वीट में कहा, ' राज्य के चुनावों में जीत के लिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह को बधाई। इस जनादेश के साथ सुशासन की बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।'

स्वामी रामदेव, *योग गुरू*

महा विजय के लिए नरेंद्र मोदी जी और अमित शाह जी को बधाई। भारतीय लोकतंत्र जाति-पाति और धर्म के जाल से बाहर निकल रहा है।

चिति

भारतीय जनसंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्मशताब्दी वर्ष (2016-17) में पाठकों के वैचारिक प्रबोधन के लिए हम उनके लेखों का पुनर्प्रकाशन कर रहे हैं। निम्न लेख 1947 के 'राष्ट्रधर्म' मासिक के अंक-6 में प्रकाशित हुआ था। प्रस्तुत है लेख का प्रथम भाग-

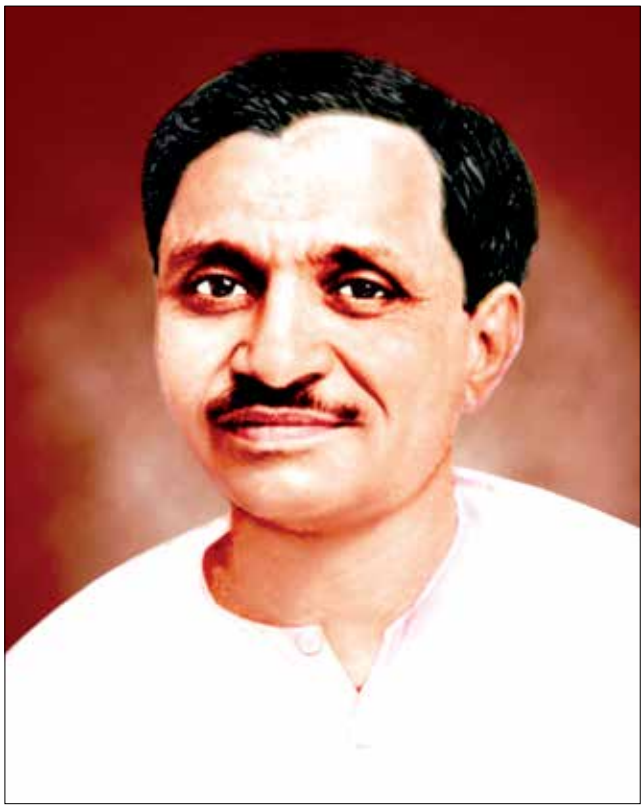

दीनदयाल उपाध्याय

किसी भी राष्ट्र का अस्तित्व उसकी चिति के कारण होता है। चिति के ही उदयावपात होता है। भारतीय राष्ट्र के भी उत्थान और पतन का वास्तविक कारण हमारी चिति का प्रकाश अथवा उसका अभाव है। आज भारत उन्नति की आकांक्षा कर रहा है। संसार में बलशाली एवं वैभवशाली राष्ट्र के नाते खड़ा होना चाहता है। चारों ओर लोग इस ध्येय का उच्चारण कर रहे हैं तथा उसके लिए प्रयत्नशील भी हैं। ऐसी दशा में हमको अपनी चिति का ज्ञान करना आवश्यक है। बिना चिति के ज्ञान के प्रथम तो हमारे प्रयत्नों में प्रेरक शक्ति का अभाव रहने के कारण वे फलीभूत नहीं होंगे; द्वितीय मन में भारत के कल्याण की इच्छा रखकर और उसके लिए जी तोड़ परिश्रम करके भी हम भारत को भव्य बनाने के स्थान पर उसको नष्ट कर देंगे। स्वप्रकृति के प्रतिकूल किए हुए कार्य के परिणामस्वरूप जीवन में जो परिवर्तन दिखाई देता है, वह विकास के स्थान पर विनाश का द्योतक है और इस प्रकार 'विनायकं प्रकुर्वाणो रचयामास वानरम' की उक्ति चरितार्थ होती है।

हमारे राष्ट्र जीवन की चिति क्या है? हमारी आत्मा का क्या स्वरूप है? इस स्वरूप की व्याख्या करना कठिन है; उसका तो साक्षात्कार ही संभव है, किंतु जिन महापुरुषों ने राष्ट्रात्मा का पूर्ण साक्षात्कार किया, जिनके जीवन में चिति का प्रकाश उज्ज्वलतम रहा है उनके जीवन की ओर देखने से, उनके जीवन की क्रियाओं और घटनाओं का विश्लेषण करने से, हम अपनी चिति के स्वरूप की कुछ झलक पा सकते हैं। प्राचीन काल से लेकर आज तक चली आनेवाली राष्ट्र पुरुषों की परंपरा के भीतर छिपे हुए सूत्र को यदि हम ढूंढ़े तो संभवतया चिति के व्यक्त परिणाम की मीमांसा से उसके अव्यक्त कारण की भी हमको अनुभूति हो सके। जिन महान् विभूतियों के नाम स्मरण मात्र से हम अपने जीवन में दुर्बलता के क्षणों में शक्ति का अनुभव करते हैं, कायरता की कृति का स्थान वीर व्रत ले लेता है, उनके जीवन में कौन सी बात है, जो हममें इतना सामर्थ्य भर देती है? कौन सी चीज है जिसके लिए हम मर मिटने के लिए तैयार हो जाते हैं? हमारा मस्तक श्रद्धा से किसके सामने नत होता है और क्यों?

वह कौन सा लक्ष्य है जिसके चारों ओर हमारा राष्ट्र जीवन घूमता आया है? अपने राष्ट्र के किस तत्त्व को बचाने के लिए हमने बड़े-बड़े युद्ध किए? किसके लिए लाखों का बलिदान हुआ? उत्तर हो सकता है भारत की भूमि के लिए। किंतु भारत से तात्पर्य क्या जड़ भूमि से है? क्या हमने हिमालय के पत्थर और गंगा के जल की रक्षा की है? हमारे अवतारों ने किस हेतु जन्म लिया था? उनको हम भगवान् का अवतार क्यों कहते हैं?

उपर्युक्त अनेक प्रकार के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों का यदि हम उत्तर दें तो हमको अपनी चिति का पता चल सकता है। हमारे शास्त्रकारों ने इसको 'धर्म' के नाम से पुकारा है। आज धर्म शब्द के भ्रमपूर्ण अर्थ प्रचलित हो गए हैं। अंग्रेजी के रिलीजन का पर्यायवाची मानकर तथा रिलीजन और दीन के नाम पर यूरोप तथा अन्य देशों में जो-जो अमानुषिक अत्याचार हुए हैं उनका संबंध इसके साथ बैठाकर, लोग धर्म शब्द से चिढ़ने लग गए हैं। वे धर्म को नष्ट करने पर तुले हुए हैं अथवा उनमें जो नरम दल के हैं, वे धर्म को केवल व्यक्तिगत जीवन

किसी भी राष्ट्र का अस्तित्व उसकी चिति के कारण होता है। चिति के ही उदयावपात होता है। भारतीय राष्ट्र के भी उत्थान और पतन का वास्तविक कारण हमारी चिति का प्रकाश अथवा उसका अभाव है।

तक सीमित चाहते हैं। राष्ट्र और समाज का धर्म से वे कोई संबंध नहीं मानते। जहाँ तक 'धर्म' से उनका तात्पर्य रिलीजन से है, वे सही हो सकते हैं। किंतु धर्म का अर्थ तो व्यापक है और इस व्यापक अर्थ के पीछे जो भाव हैं वे ही भाव भारत की कोटि-कोटि जनता में धर्म शब्द को सुनकर उत्पन्न होते हैं। आज राम और कृष्ण हमारे धर्म के महापुरुष कहे जाते हैं। क्या वे किसी की व्यक्तिगत संपत्ति है? कौन सा राष्ट्र भक्त उनकी स्मृति को भारत से मिटा देना चाहेगा? रामायण और महाभारत हमारे धर्म ग्रंथ हैं। क्या वे हमारे लिए अपठनीय हैं? क्या उनमें आज के राष्ट्र जीवन को प्रेरणा देनेवाला कुछ भी नहीं है? हमारा धर्म हमको गंगा को पवित्र मानना सिखाता है, हमारा धर्म हमको चारों धाम की यात्रा द्वारा भारतभूमि की परिक्रमा करने को कहता है। क्या यह राष्ट्र भक्ति की उज्ज्वलतम भावना ही नहीं है?

हमारा धर्म हमारे राष्ट्र की आत्मा है। बिना धर्म के राष्ट्र जीवन का कोई अर्थ नहीं रहता। भारतीय राष्ट्र न तो हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैले हुए भू-खंड से बन सकता है और न तीस करोड़ मनुष्यों के झुंड से। एक ऐसा सूत्र चाहिए जो तीस करोड़ को एक-दूसरे से बांध सके, जो तीस कोटि को इस भूमि में बाँध सके। वह सूत्र हमारा धर्म ही है बिना धर्म के भारतीय जीवन का चैतन्य ही नष्ट हो जाएगा, उसकी प्रेरक शक्ति ही जाती रहेगी। अपनी धार्मिक विशेषता के कारण ही संसार के भिन्न-भिन्न जन समूहों में हम भी राष्ट्र के नाते खड़े हो सकते हैं। धर्म के पैमाने से ही हमने सबको नापा है। धर्म की कसौटी पर ही कसकर हमने खरे-खोटे की जाँच की है। हमने किसी को महापुरुष मानकर पूजा है तो इसलिए कि उनके जीवन में पग-पग हमको धार्मिकता दृष्टिगोचर होती है। राम हमारे आराध्य देव बनकर रहे हैं और रावण सदा से घृणा का पात्र बना है। क्यों? राम धर्म के रक्षक थे और रावण धर्म का विनाश करना चाहता था। युधिष्ठिर और दुर्योधन दोनों भाई-भाई थे, दोनों राज्य चाहते थे, एक के प्रति हमारे मन में श्रद्धा है तो दूसरे के प्रति घृणा। ■ *-क्रमशः*

एशियाई विकास बैंक द्वारा पूर्वी तट आर्थिक गलियारे के लिए 375 मिलियन डॉलर का ऋण

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और भारत सरकार ने 800 किलोमीटर लंबे विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे (कॉरिडोर) को विकसित करने के लिए 375 मिलियन डॉलर के ऋण एवं अनुदान करार पर हस्ताक्षर किए, जो एक नियोजित 2500 किलोमीटर लंबे पूर्वी तट आर्थिक गलियारे (ईसीईसी) का प्रथम चरण है। इस गलियारे से भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति के अनुरूप भारत के पूर्वी तट पर विकास की रफ्तार बढ़ने की आशा है, ताकि एशिया के गतिशील वैश्विक उत्पादन नेटवर्कों के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को एकीकृत करने के लिए विनिर्माण एवं 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई गति प्रदान की जा सके। हाल ही में उपर्युक्त करार पर हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले एडीबी ने विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे को विकसित करने के लिए सितंबर, 2016 में 631 मिलियन डॉलर के ऋणों एवं अनुदानों को मंजूरी दी थी।

एडीबी द्वारा स्वीकृत किए गए ऋणों में गलियारे के आस-पास स्थित चार प्रमुख केन्द्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 500 मिलियन डॉलर की बहु-किस्त सुविधा भी शामिल है। इन चार प्रमुख केन्द्रों में आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापत्तनम, काकीनाडा, अमरावती और येरपेडु-श्रीकलहस्ती शामिल हैं। 245 मिलियन डॉलर की पहली किस्त पर आज हस्ताक्षर किए गए, जिससे इस गलियारे के चार केन्द्रों में से दो केन्द्रों में उच्च गुणवत्ता वाले आंतरिक बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़ी उप-परियोजनाओं का वित्त पोषण किया जाएगा। इन दो केन्द्रों में से विशाखापत्तनम और येरपेडु-श्रीकलहस्ती शामिल हैं। 23 फरवरी, 2017 को हस्ताक्षरित किए गए एडीबी कोष का एक अन्य हिस्सा 125 मिलियन डॉलर के नीति आधारित ऋण के रूप में है, जिसका इस्तेमाल गलियारे के प्रबंधन में संलग्न संस्थानों के क्षमता विकास, कारोबार में आसानी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहायता देने और औद्योगिक विकास की गति बढ़ाने के लिए औद्योगिक एवं क्षेत्र संबंधी नीतियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने में किया जाएगा।

भारत सरकार की तरफ से इस ऋण करार पर हस्ताक्षर करने वाले वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव (बहुपक्षीय संस्थान) राज कुमार ने कहा, 'यह परियोजना गलियारे की विकास प्रक्रिया के साथ-साथ मेक इन इंडिया के उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में मील का पत्थर है।'

एडीबी के ऋणों के साथ-साथ बहु-दानदाता शहरी जलवायु परिवर्तन लचीला ट्रस्ट फंड की ओर से 5 मिलियन डॉलर के अनुदान के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस फंड का प्रबंधन एडीबी द्वारा किया जाता है और जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से जुड़े लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। भारत सरकार 846 मिलियन डॉलर की परियोजना के लिए 215 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त धनराशि मुहैया कराएगी। ■

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले...

23 मार्च 1931 का दिन महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का अमर बलिदान दिवस है। इन क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। मातृभूमि के लिए इनका अमर प्रेम और विदेशियों से संघर्ष का अदम्य साहस अतुलनीय है। ये अमर बलिदानी न केवल देश के प्रेरणा पुंज हैं, बल्कि नौजवानों के आदर्श पुरुष भी हैं। समस्त देश इनका कृतज्ञ है।

महान क्रांतिकारी भगत सिंह

(27 सितम्बर, 1907 - 23 मार्च, 1931)

सरदार भगत सिंह एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। इन्होंने केन्द्रीय असेम्बली की बैठक में बम फेंका और बम फेंककर वे भागे नहीं। क्रांतिकारी भगत सिंह को 23 मार्च 1931 को इनके साथियों, राजगुरु तथा सुखदेव के साथ फांसी पर लटका दिया गया। भगत सिंह को जब फांसी दी गई, तब उनकी उम्र मात्र 24 वर्ष की थी। भगत सिंह करीब 12 वर्ष के थे जब जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ था। इसकी सूचना मिलते ही भगत सिंह अपने स्कूल से 12 मील पैदल चलकर जलियांवाला बाग पहुंच गये। इस उम्र में भगत सिंह अपने चाचाओं की क्रान्तिकारी किताबें पढ़कर सोचते थे कि इनका रास्ता सही है कि नहीं? बहुत कम उम्र में भगत सिंह जुलूसों में भाग लेना प्रारम्भ किया तथा कई क्रान्तिकारी दलों के सदस्य बने। बाद में वे अपने दल के प्रमुख क्रान्तिकारियों के प्रतिनिधि भी बने। उनके दल के प्रमुख क्रान्तिकारियों में चन्द्रशेखर आजाद, भगवतीचरण व्होरा, सुखदेव, राजगुरु इत्यादि थे।

जेल के दिनों में उनके द्वारा लिखे पत्रों व लेखों से उनके विचारों का पता लगता है। उनका विश्वास था कि उनकी शहादत भारतीय जनता को और प्रेरित करेगा। इसी कारण उन्होंने सजा सुनाने के बाद भी माफ़ीनामा लिखने से मना कर दिया। उन्होंने अंग्रेजी सरकार को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया था कि उन्हें अंग्रेज़ी सरकार के खिलाफ़ भारतीयों के युद्ध का युद्धबंदी समझा जाए तथा फ़ांसी देने के बदले गोली से उड़ा दिया जाए।

फांसी पर जाते समय वे गा रहे थे -

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फ़त
मेरी मिट्टी से भी खुस्बू ए वतन आएगी ।

सुखदेव थापर

(15 मई 1907 - 23 मार्च 1931)

सुखदेव थापर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे। इन्हें भगत सिंह और राजगुरु के साथ फांसी पर लटका दिया गया था। इन्होंने भगत सिंह, रामचन्द्र एवं भगवती चरण बोहरा के साथ लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन किया था। सांडर्स हत्या कांड में इन्होंने भगत सिंह तथा राजगुरु का साथ दिया था। जेल में कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार किये जाने के विरोध में व्यापक हड़ताल में भाग लिया था।

शिवराम हरि राजगुरु

(1908 - 23 मार्च 1931)

शिवराम हरि राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे। इन्हें भगत सिंह और सुखदेव के साथ फांसी पर लटका दिया गया था। इन्होंने धर्मग्रंथों तथा वेदों का अध्ययन किया तथा सिद्धांत कौमुदी इन्हें कंठस्थ हो गई थी। ये शिवाजी तथा उनकी छापामार शैली के प्रशंसक थे। ये हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़े। ■

सबसे बड़ी पार्टी बनाम सबसे ज्यादा समर्थन वाला गठबंधन

| अरुण जेटली |

कांग्रेस पार्टी को कुछ ज्यादा ही शिकायतें हैं। वह भारतीय जनता पार्टी पर गोवा में जनादेश की अनदेखी करने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर प्रक्रिया को बाधित करने का असफल प्रयास भी किया है। उसने लोकसभा में मुद्दा उठाने की भी कोशिश की है, लेकिन तथ्य क्या हैं?

गोवा में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव अनिर्णायक रहे। चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। जाहिर है ऐसी स्थिति में चुनाव के बाद सरकार बनाने के लिए गठबंधन के प्रयास होंगे।

बीजेपी ने गठबंधन के जरिए स्पष्ट बहुमत के आंकड़े को छुआ और 40 सदस्यीय विधानसभा में 21 विधायकों का समर्थन हासिल किया। सभी विधायकों ने राज्यपाल से मिलकर समर्थन पत्र सौंपा। कांग्रेस ने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा भी पेश नहीं किया। उसके पास सिर्फ 17 विधायक ही हैं। कांग्रेस ने राज्यपाल के इस फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया कि उन्होंने श्री मनोहर परिकर को 40 में से 21 विधायकों का समर्थन हासिल होने पर सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया।

श्री मनोहर परिकर के नेतृत्व में 21 विधायकों के समर्थन की स्थिति में राज्यपाल 17 विधायकों के अल्पमत वाले दल को सरकार बनाने के लिए नहीं बुला सकते थे। राज्यपाल के इस फैसले को सही ठहराने के कई पूर्व आधार हैं। वर्ष 2005 में बीजेपी ने झारखंड की 81 में से 30 सीटें जीतीं। जेएमएम नेता श्री शिबू सोरेन जिनके पास उनके दल के 17 विधायक और अन्य विधायकों का समर्थन था, उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया।

जम्मू कश्मीर में 2002 में नेशनल कांफ्रेंस के 28 विधायक जीते, लेकिन राज्यपाल ने पीडीपी और कांग्रेस के 15 और 21 विधायकों वाले गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया।

दिल्ली में 2013 में बीजेपी ने 31 सीटें जीतीं, लेकिन 28 विधायकों वाली आप पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया।

इस तरह के अन्य मामलों में 1952 में मद्रास, 1967 में राजस्थान और 1982 में हरियाणा में सरकार बनाने के लिए की गई प्रक्रिया भी शामिल है।

अस्पष्ट बहुमत वाला सबसे बड़ा दल बनाम स्पष्ट बहुमत वाले

गठबंधन की बहस में पूर्व राष्ट्रपति के आर नारायणन ने मार्च 1988 में अपने परिपत्र में इसका जवाब दिया था। जब उन्होंने 1998 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था।

पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया था ''जब कोई भी दल और चुनाव पूर्ण बना गठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल न कर पाया हो, तब राष्ट्र प्रमुख चाहे वो भारत के रहे हों या अन्य देशों के, पहली प्राथमिकता सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले दल या सबसे ज्यादा सीटों वाले गठबंधन को देते रहे हैं। प्रधानमंत्री को निर्धारित समय के अंदर सदन में अपना बहुमत साबित करना होता है। हालांकि यह प्रक्रिया हमेशा काम करने वाला फॉर्मूला नहीं हो सकती, क्योंकि ऐसी स्थिति आ सकती है जब ऐसे सांसद जो सबसे बड़े दल या गठबंधन में शामिल न हों, मिलकर सबसे बड़े दावेदार से संख्या में अधिक हों। राष्ट्रपति का प्रधानमंत्री के चयन का आधार प्रधानमंत्री के बहुमत हासिल होने के दावे पर निर्भर होता है।''

गोवा के राज्यपाल के पास 40 में से 21 विधायकों के समर्थन का श्री मनोहर परिकर की ओर से ही सिर्फ एक दावा प्रस्तुत किया गया। 17 विधायकों वाली कांग्रेस ने न अपना नेता चुना और न ही सरकार बनाने का दावा पेश किया। कांग्रेस को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कैसे किया जा सकता था? ■

(लेखक केंद्रीय वित्त एवं रक्षा मंत्री हैं)

उप्र में भाजपा की जबर्दस्त जीत के सबब–

मोदी का करिश्मा, अमित शाह की संगठनात्मक प्रतिभा, स्थानीय पार्टी-ढांचा, आकांक्षी मतदाता

हर राज्य के चुनाव का समान महत्व है, पर उत्तर प्रदेश के नतीजे खास अहमियत रखते हैं, अगर किसी और कारण से नहीं, तो नितांत इसी कारण कि विधायिका में इसका संख्या बल राष्ट्रीय राजनीति में इस राज्य को जो स्थान देता है- जिसके पास लोकसभा की अस्सी और राज्यसभा की इकतीस सीटें हैं और जिसका मत राष्ट्रपति के चुनाव में बहुत मायने रखता है।

| अनील बलूनी |

कैसा रहा यह चुनाव। उत्तर प्रदेश में भाजपा को 310 से ज्यादा सीटें मिलीं। क्या किसी ने इस परिदृश्य की कल्पना की थी? ऐसे चुनाव परिणाम अमूमन एक पीढ़ी को एक बार से ज्यादा देखने को नहीं मिलते, जैसा कि खासकर उत्तर प्रदेश में हुआ, जो कि भारतीय राजनीति की नई परिघटना है। नई परिघटना यह है कि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक नेतृत्व और अमित शाह की संगठनात्मक महारत के बल पर खुद को भारत की सर्वप्रमुख पार्टी के रूप में स्थापित कर लिया है- एक ऐसी पार्टी जो भारतीयों के हर वर्ग की आकांक्षाओं का खयाल रखती है। हालांकि हर राज्य के चुनाव का समान महत्त्व है, पर उत्तर प्रदेश के नतीजे खास अहमियत रखते हैं, अगर किसी और कारण से नहीं, तो नितांत इसी कारण कि विधायिका में इसका संख्याबल राष्ट्रीय राजनीति में इस राज्य को जो स्थान देता है- जिसके पास लोकसभा की अस्सी और राज्यसभा की इकतीस सीटें हैं और जिसका मत राष्ट्रपति के चुनाव में बहुत मायने रखता है। लेकिन सवाल है कि भाजपा ने ऐसा क्या किया कि उत्तर प्रदेश पूरी तरह भगवा रंग में रंग गया? याद करें, जब राममंदिर आंदोलन परवान पर था तब भी उत्तर प्रदेश ने इतने निर्णायक ढंग से और इतनी मजबूती से भाजपा के पक्ष में वोट नहीं दिया था। क्या भाजपा के उत्तर प्रदेश मॉडल में कुछ ऐसा है, जो एक सांचे की तरह काम करता है?

भाजपा के उत्तर प्रदेश मॉडल को पंचतत्त्व मॉडल कहा जा सकता है- पांच भुजाओं वाला एक आदर्श मॉडल, जिसमें प्रत्येक भुजा दूसरी भुजाओं के साथ पूरी तालमेल से काम करती है- और एक ऐसा मॉडल

पेश करती है जो अनुसरण के काबिल है। इस मॉडल का पहला तत्त्व एकदम जाहिर है- नरेंद्र मोदी का करिश्मा। इसके बिना यह कैसे संभव था कि चुनाव नतीजों से बस कुछ महीने पहले एक नेता, दूसरों के विपरीत, यह कहे कि मैं कोई लोकलुभावन निर्णय नहीं लूंगा, बल्कि मैं देश की छियासी फीसद मुद्रा को विमुद्रीकृत कर दूंगा, जिससे आपको असुविधा होगी और फिर भी लोग उसे वोट दें, इस तरह जैसे उन्होंने पहले किसी को न दिया हो? उत्तर प्रदेश ने कुछ मायनों में यह भी दृढ़ता से स्थापित किया है कि लोगों को मोदी की कौन-सी खूबी सबसे ज्यादा भाती है- राष्ट्रीय हित के मामलों में उनका दोटूकपन। चाहे यह उनका अपनी टीम से चौबीसों घंटे काम लेना हो, एक साल से भी कम समय में तकरीबन दो करोड़ रसोई गैस कनेक्शन देना हो, देश में काले धन पर कड़ा प्रहार करना हो, या सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए यह मिसाल पेश करना हो कि आतंकी हमलों का भारत कैसा जवाब देगा- मोदी ने यह दिखाया है कि जब राष्ट्रीय हित का मामला हो तो वे निर्णायक कदम उठाते हैं।

वाराणसी में मोदी को जैसा समर्थन मिला- जहां वे चुनाव प्रचार में लगातार तीन दिन रहे- उससे इस पहलू की पुष्टि ही हुई है- कि मोदी कभी पीछे की सीट पर नहीं रहते, वे ऐसे सेनापति नहीं हैं जो खुद बैरक में सुरक्षित छिपे रहें और अपनी सेना को लड़ने के लिए छोड़ दें। इसके बजाय मोदी ऐसे सेनापति हैं जो मोर्चे पर रह कर अगुआई करते हैं। दूसरा तत्त्व है अमित शाह की संगठनात्मक महारत और प्रतिभा को पहचानने की उनकी काबिलियत। यह उन्होंने 2014 में ही साबित कर दिखाया था जब वे उत्तर प्रदेश के प्रभारी थे। 2017 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने अपनी कामयाबी के पिछले मॉडल को न सिर्फ और मजबूत किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वे हरेक अनुभव से सीखते हैं। 2014 से, तीन साल से भी कम समय में, बारह लाख से भी ज्यादा नए सदस्य भाजपा से जुड़े, जिससे पूरे राज्य में उसके सामाजिक आधार में इजाफा हुआ। पर भाजपा की चुनाव मशीनरी में शाह का सबसे टिकाऊ योगदान है बूथ प्रबंध के महत्त्व को स्थापित करना। 2013 में शाह को उत्तर प्रदेश भेजने से पहले, चुनावी रणनीति के तफसील से प्रबंध के तौर पर बूथ समितियों की भूमिका, एक ऐसी अवधारणा थी जिसे राज्य में पार्टी तब तक ठीक से समझ और सीख नहीं पाई थी।

2014 के चुनाव तक, अहम बूथों में से सैंतीस फीसद पर ही भाजपा के पास बूथ समितियां थीं। 2017 के चुनाव तक यह संख्या बढ़ कर 87 फीसद हो गई। इसके अलावा, पूरे राज्य को 82 जिला इकाइयों, 1,463 मंडलों और 9,933 सेक्टरों में बांटा गया था। बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुख की अवधारणा को शाह पहले ही मनवा चुके थे- इस बार उन्होंने एक नया प्रयोग जोड़ा- बूथ रक्षक। उनका काम था हर लिहाज से बूथ की रक्षा करना। सुनियोजित चुनाव प्रचार बूथ स्तर पर सुनिश्चित करने और वहां की सूचनाएं ऊपर के नेतृत्व को भेजने से लेकर बूथ रक्षकों ने बूथ को संभालने का काम जी-जान से किया। भाजपा की मशीनरी का तीसरा तत्त्व है स्थानीय सांगठनिक ढांचा। 403 विधानसभा क्षेत्रों में से एक भी क्षेत्र ऐसा नहीं था जहां पार्टी के कम से कम दो मुख्य स्टार प्रचारक न गए हों। दूसरे, यह भी सुनिश्चित किया गया कि राज्य का समस्त पार्टी नेतृत्व एक होकर काम करे। पहला तकाजा, होशियारी से बनाई गई परिवर्तन यात्राओं के जरिए पूरा किया गया। ये यात्राएं राज्य के कोने-कोने में गईं, इनसे कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा दूरदराज तक लोगों से संपर्क साधने में मदद मिली और भाजपा ने दूसरा तकाजा कैसे पूरा किया- मजे की बात है कि मुख्यमंत्री पद के अपने प्रत्याशी की घोषणा न करके। वास्तव में उत्तर प्रदेश ने इस धारणा को पलीता लगा दिया है कि मुख्यमंत्री पद की खातिर चेहरे की पहले से घोषणा किए बगैर किसी बड़े राज्य का चुनाव नहीं जीता जा सकता। इसकी जगह भाजपा ने यह स्थापित किया है कि ऐसे राज्य में जहां सर्वोच्च पद के लिए कई दावेदार हों और सभी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से इस स्थिति तक पहुंचे हों, न कि वंशानुगत उत्तराधिकार से, वहां पहले से कोई चेहरा पेश न करना मददगार ही साबित होता है। ऐसा पहले महाराष्ट्र और हरियाणा में हुआ और अब शानदार ढंग से उत्तर प्रदेश में।

इस सारे जमीनी काम में पूरक बना- चौथा तत्त्व- एक व्यापक विजन। भाजपा का घोषणापत्र न केवल व्यापक और आगे की तरफ देखना वाला था, बल्कि भाजपा के नए नेतृत्व के तहत ये सारी नई चीजें आकर्षक भाषा में तैयार और पेश की गईं। यह कोई नीरस, उबाऊ दस्तावेज नहीं था, जो कोई कागजी काम पूरा करने भर के लिए जारी कर दिया गया हो। इसके बजाय, लखनऊ और दिल्ली में पार्टी के आला दिमागों ने इसके पहले मसविदे की बारीकी से पड़ताल की और तब इसे अंतिम रूप दिया और पेश किया गया। यही नहीं, भाजपा की नई कार्यविधि के अनुरूप, उत्तर प्रदेश की जनता से भी सुझाव मांगे गए और तीस लाख से ज्यादा सुझाव आए। भाजपा मॉडल का पांचवां और अंतिम तत्त्व शायद सबसे प्रभावी और काफी टिकाऊ है- इसने भाजपा के मतदाताओं का एक 'वर्ग' तैयार किया है, जबकि अन्य दल जाति या मजहब के आधार पर मिलने वाले वोटों के लिए एक दूसरे से होड़ करते हैं। भाजपा की अपील सीधी है- अगर आप अपने या अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य चाहते हैं, तो जाति, इलाका या धर्म का खयाल न कर हमें वोट दें। उत्तर प्रदेश के पार्टी नेतृत्व ने भी इस वर्ग का मॉडल स्थापित किया है- राजनाथ सिंह से लेकर कलराज मिश्र, केशव प्रसाद मौर्य और योगी आदित्यनाथ तक। वे राज्य की आबादी के विस्तृत फलक का प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर 2014 ने मोदी युग की शुरुआत की, तो ताजा चुनाव नतीजों के बाद निस्संदेह कहा जा सकता है कि यह युग न केवल आरंभ हुआ है, बल्कि इसका एक लंबा और सुनहरा भविष्य है। न सिर्फ भाजपा के लिए बल्कि देश के लिए भी। ■

(लेखक भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता है) (जनसत्ता से साभार)

ताजा चुनाव नतीजों के बाद निस्संदेह कहा जा सकता है कि यह युग न केवल आरंभ हुआ है बल्कि इसका एक लंबा और सुनहरा भविष्य है, न सिर्फ भाजपा के लिए बल्कि देश के लिए भी।

देश के अर्थतंत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला ऐतिहासिक बजट

आप देश के किसी भी कोने या अर्थव्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को लें, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस बजट में प्रत्येक के लिए कुछ न कुछ प्रावधान रखा है। यह एक मैजिक बॉक्स जैसा है, जिसके जरिये वित्त मंत्री ने प्रत्येक की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का उपाए किया है, परन्तु किसी भी व्यक्ति के लालच को संतुष्ट करने की बात इसमें नहीं है।

| गोपाल कृष्ण अग्रवाल |

बजट का अन्तर्निहित संदेश यही है कि इसमें लोकप्रिय घोषणाओं की लीपापोती नहीं की गई है (जबकि पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे थे), बल्कि अर्थव्यवस्था के उन पहलूओं पर चोट की गई है, जो हमें अधिक आहत करते हैं।

वित्त मंत्री ने आश्चर्यजनक ढंग से अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को छुआ है और ऐसे सुधारात्मक उपाए किए हैं जिनके दूरगामी परिणाम निकलते हैं- जैसे ग्रामीण कनेक्टिविटी, किसानों की समस्याएं, युवाओं के लिए रोजगार, मांग-आपूर्ति, सरकारी निवेश, चुनावी सुधार, उच्च कर-अनुपालन, व्यक्तिगत करों में कमी, 50 करोड़ तक के टर्नओवर वाले एमएसएमई के करों को कम करना, पुनः विमुद्रीकरण सम्बन्धी विषयों को ठीक करना 'कम ट्रांजेक्शन कॉस्ट' डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ बढ़ना, असंगठित क्षेत्रों के लिए बड़े पैमाने पर पूंजी उपलब्ध करना और व्यापार व्यवस्था को सरल करने के उपाए करना, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तथा आम जनता को कम कीमत के मकान उपलब्ध कराना एवं समाज के वंचित वर्गों की सामाजिक सुरक्षा आदि के कई महत्वपूर्ण उपाए किए गए हैं।

आप देश के किसी भी कोने या अर्थव्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को लें, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस बजट में प्रत्येक के लिए कुछ न कुछ प्रावधान रखा है। यह एक मैजिक बॉक्स जैसा है, जिसके जरिये वित्त मंत्री ने प्रत्येक की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का उपाए किया है, परन्तु किसी भी व्यक्ति के लालच को संतुष्ट करने की बात इसमें नहीं है।

2017-18 के बजट का सरकारी एजेण्डा विकास के लिए दस वर्ष का स्पष्ट रोड मैप है जिससे 'ट्रांसफोर्म, एनर्जाईज और क्लीन इण्डिया' बनाने का प्रयास हो रहा है। बुनियादी रूप से सरकार वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार मुद्रास्फीति की दर को दिसम्बर 2016 के 6 प्रतिशत के स्तर से घटा कर जुलाई में 3.4 प्रतिशत पर ले आई, 2016/17 के पहले छमाही के घाटे को जीडीपी के 1 प्रतिशत दर से कम करके 0.3 प्रतिशत पर ले आई है और वैश्विक एफडीआई में 5 प्रतिशत का प्रवाह कम होने के बावजूद भी भारत में एफडीआई का विकास 36 प्रतिशत तक बढ़ गया है। ये सभी बड़ी भारी उपलब्धियां हैं।

हालांकि वैश्विक मंदी की चुनौतियां सामने हैं, परन्तु सरकार इनका सीधे सामना कर रही है। जीएसटी का संवैधानिक संशोधन विधेयक पारित हो चुका है और कालाधन तथा भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए उच्च मूल्य करेंसी के विमुद्रीकरण के ऐतिहासिक निर्णय को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। इंसॉल्वेंसी और बैंकरप्सी कोड समूचे बैंकों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए लाया गया है। सरकारी निवेश को बढ़ाकर 3,96,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

2017-18 के बजट का सरकारी एजेण्डा विकास के लिए दस वर्ष का स्पष्ट रोड मैप है जिससे 'ट्रांसफोर्म, एनर्जाईज और क्लीन इण्डिया' बनाने का प्रयास हो रहा है। बुनियादी रूप से सरकार वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जा सके, शिक्षा तथा योग्यता के जरिए युवाओं के लिए रोजगार का निर्माण हो सके। अपवंचित वर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा, आवास और स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत करना भी उद्देश्य है। सभी के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना और वित्तीय क्षेत्र में स्थायी और मजबूत संस्थान बनाना। सभी सार्वजनिक सेवाओं के लिए कुशल डिलिवरी (सुपुर्दगी) मैकेनिज्म, न्याय संगत वित्तीय प्रबंध एवं कुशल-व-पारदर्शी सम्पत्ति कर प्रशासन की तरफ बढ़ना भी आवश्यक है। ये सभी ऐसे रोडमैप हैं जिनके माध्यम से सरकार विकास

तथा मजबूत अर्थव्यवस्था की तरफ तेजी से बढ़ेगी। बजट में यह सभी विषय ध्यान में रखे गये हैं।

हमारे विश्लेषण में यह सभी तथ्य स्पष्ट रूप से उजागर होते हैं। किसानों के राहत के लिए किसानों को ऋण देने के रूप में 10 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। उनके ऋण पर 60 दिन के ब्याज को माफ कर दिया गया है; नाबार्ड फंड को 40000 करोड़ रुपए तक बढ़ाया गया है; डेडीकेटेड माइक्रो फंड को प्रारम्भ में ही 5000 करोड़ रुपये कर दिया गया है; सिंचाई की राशि को दुगुना करके 40000 करोड़ रुपए कर दिया गया है। नीति आयोग ने कांट्रेक्ट फार्मिंग पर एक मॉडल कानून तैयार किया है और इसके कार्यान्वयन के लिए राज्यों को लागू करने की बात कही गई है।

ग्रामीण विकास और कनेक्टिविटी के लिए 1,87,223 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। प्रतिदिन 131 कि.मी. सड़कों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। मार्च 2018 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण करने का वायदा है और 2019 तक गरीबी से निपटने के लिए 1 करोड़ आवास बनाने का भी सरकार का लक्ष्य है।

नवभारत के लिए कुशलता एवं शिक्षा के लिए 100 अन्तर्राष्ट्रीय कुशलता केन्द्र खोले जाएंगे, जिनमें विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रम भी शामिल रहेंगे। सभी प्रवेश परीक्षाओं के लिए एकीकृत राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी स्थापित की जाएगी और 3479 शिक्षापरक बैकवर्ड ब्लाक की स्थापना की जाएगी।

चुनावी सुधारों के लिए कई अत्यंत महत्वपूर्ण पहल किये हैं। किसी एक स्रोत से कोई भी राजनैतिक पार्टी को नगद 2000 रुपए का दान ही दिया जा सकता है। आरबीआई एक्ट में संशोधन किया जा रहा है।

चुनावी सुधारों के लिए कई अत्यंत महत्वपूर्ण पहल किये हैं। किसी एक स्रोत से कोई भी राजनैतिक पार्टी को नगद 2000 रुपए का दान ही दिया जा सकता है। आरबीआई एक्ट में संशोधन किया जा रहा है, ताकि निश्चित भुगतान तारीख के साथ चुनावी बांड जारी किए जा सकें। चैक या डिजिटल ट्रांजेक्शन के माध्यम से किसी भी बैंक या डाकघर से ये बांड खरीदे जा सकते हैं; केवल रजिस्टर्ड पार्टियां ही इनका भुगतान करवा सकती हैं। अब सभी पार्टियों के लिए हर वर्ष के दिसम्बर के अंत तक आयकर विवरणी भरना आवश्यक है।

विमुद्रीकरण के बाद अधिक कर अनुपालन के लिए सभी खातों में जमा रकम का विश्लेषण किया जाएगा। 3 लाख रुपए के ऊपर के किसी भी नकट ट्रांजेक्शन की अनुमति नहीं है। संशोधित कर विवरणी के जांच का समय भी घटा कर 12 महीने कर दिया गया है। पहली बार आयकर विवरणी भरने वालों के लिए किसी प्रकार की सरकारी स्क्रूटनी आड़े नहीं आएगी। बिजनेस इन्कम के अलावा 5 लाख की वार्षिक आय वाले लोगों के लिए एक पृष्ठ की सरल विवरणी तैयार की गई है।

व्यक्तिगत करदाताओं के लिए कर दर में कमी की गई है। 2.5-5 लाख रुपए की वर्तमान आय पर कर रेट 10 प्रतिशत से कम कर 5 प्रतिशत कर दी गई है, इसलिए बाद की सभी आय ब्रेकेट में करदाताओं के लिए 12,500 रुपए तक का कर कम लगेगा।

एमएसएमई सेक्टर के लिए कार्पोरेट करों में भी कमी की गई है। एमएसएमई कम्पनियों के लिए 50 करोड़ रुपए टर्नओवर तक के लिए कर दर 25 प्रतिशत कर दी गई है। इस श्रेणी में लगभग 90 प्रतिशत कम्पनियां आती है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लिए ऋण लक्ष्य लगभग दुगुना होकर 2,44,000 करोड़ रुपए हो गया है।

आर्थिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र पर ध्यान देने के लिए व्यापार करने को सरल बनाना है और सरकार ने इसके लिए पर्याप्त प्रोत्साहन के उपाए किए हैं; व्यापारी प्रतिष्ठान, जो प्रिजम्पटीव आय योजना का लाभ लेते हैं, उनकी टर्नओवर लिमिट '1 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़' कर दी गई है। इसी प्रकार व्यक्तियगत और एचयूएफ करदाताओं के लिए खातों के रखने की आवश्यकता की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपए से 25 लाख रुपए या आय की वार्षिक सीमा 1.2 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपए कर दी गई है।

स्क्रूटनी निर्धारण के लिए समय सीमा को 2018-19 निर्धारण वर्ष के लिए घटाकर 21 महीने से 18 महीने कर दिया गया है और आगे निर्धारण वर्ष 2019-20 तथा बाद के वर्षों के लिए 12 महीने कर दिया गया है।

कम कीमत के घर के प्रोत्साहन से समाज के कमजोर वर्गों के लिए घरों का प्रावधान किया गया है। एफोर्डेबल घरों को इंफ्रास्ट्रक्चर स्टेटस दिया जाएगा। पूंजी लाभ कर में बदलाव किया जाएगा, ताकि रियल एस्टेट को मदद मिले और ईएमआई पर ब्याज दर कम की गई है। यदि मकान खाली रखा जाता है और बेचा नहीं जाता है तो प्रिजम्पटिव किराया बिल्डरों पर लगेगा जिसके चलते उन पर फ्लैट बेचने के लिए दबाव आ जाएगा और इससे घरों की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है तथा सरकार ने इस विषय पर बहुत कुछ किया है। महिलाओं तथा बच्चों के लिए विभिन्न योजनाओं को बढ़ाकर आवंटन 1.84 ट्रिलियन रुपये कर दिया गया है। 2018 तक लेप्रोस्कोपी, 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है।

वर्तमान श्रम नियमों को सरल बनाने तथा कई तरह के श्रम नियमों का विलय करने के लिए कानून प्रस्तावित हैं, जिन पर काम चल रहा है। अनुसूचित जातियों का आवंटन बढ़ाकर 52,393 रुपए कर दिया गया है। अनुसूचित जनजातियों के लिए 31920 करोड़ रुपये और अल्पसंख्यकों के लिए 4195 करोड़ रुपये आवंटन किया गया है।

इन सभी प्रावधानों और घोषणाओं से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि यह बजट गरीबों के लिए है, किसानों का मददगार है और ग्रामीण भारत तथा समाज के उन वर्गों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जो पिछले कई वर्षों से अर्थव्यवस्था के विकास में भाग लेने से वंचित रह गए थे। ■

(लेखक भाजपा के आर्थिक मामलों के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

तीसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7% रही

नोटबंदी का विकास दर पर कोई नकारात्मक असर नहीं

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) विभाग ने 28 फरवरी को जीडीपी के नए आंकड़े जारी किए। चालू वित्त वर्ष 2016-17 की तीसरी तिमाही के दौरान विकास दर 7 फीसदी रही। वहीं अगले वित्त वर्ष 2018 में यह आंकड़ा 7.3 रह सकता है और 2019 के दौरान यह आंकड़ा 7.7 फीसदी रह सकता है।

स्थिर मूल्यों (2011-12) और वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष 2016-17 और चालू वित्त वर्ष की प्रथम, द्वितीय और तृतीय तिमाहियों के लिए जीडीपी वृद्धि दरें निम्न हैं-

जीडीपी की वृद्धि दरें

	स्थिर मूल्य (2011-12)	वर्तमान मूल्य
वार्षिक 2016-17 (द्वितीय अग्रिम अनुमान)	7.1	11.5
पहली तिमाही 2016-17(अप्रैल-जून)	7.2	10.8
दूसरी तिमाही 2016-17(जुलाई-सितंबर)	7.4	11.8
तीसरी तिमाही 2016-17 (अक्टूबर-दिसंबर)	7.0	10.6

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)

वर्ष 2016-17 में स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वास्तविक जीडीपी अथवा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़कर 121.65 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2015-16 के लिए प्रथम संशोधित अनुमान में जीडीपी को 113.58 लाख करोड़ रुपये आंका गया था, जो 31 जनवरी 2017 को जारी किया गया था। वर्ष 2016-17 में जीडीपी वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2015-16 में जीडीपी वृद्धि दर 7.9 फीसदी आंकी गई थी।

बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धित (जीवीए)

वर्ष 2016-17 में बुनियादी स्थिर मूल्यों (2011-12) पर वास्तविक जीवीए अर्थात जीवीए के बढ़कर 111.68 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2015-16 में 104.70 लाख करोड़ रुपये था। वर्ष 2016-17 में बुनियादी मूल्यों पर वास्तविक जीवीए की अनुमानित वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2015-16 में 7.8 फीसदी थी।

जिन क्षेत्रों ने 7.0 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें 'लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं, 'विनिर्माण, 'व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से जुड़ी सेवाएं, शामिल हैं।

'कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालन', 'खनन एवं उत्खनन', 'विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाओं', 'निर्माण' और 'वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाओं' की वृद्धि दर क्रमशः 4.4, 1.3, 6.6, 3.1 और 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है।

प्रति व्यक्ति आय

वर्ष 2016-17 के दौरान सही अर्थों में (2011-12 के मूल्यों पर) प्रति व्यक्ति आय के बढ़कर 82,112 रुपये हो जाने की संभावना है, जो वर्ष 2015-16 में 77524 रुपये थी। वर्ष 2016-17 के दौरान प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर 5.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वर्ष 6.6 फीसदी थी।

सकल घरेलू उत्पाद

वर्ष 2016-17 में वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के बढ़कर 152.51 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच जाने की संभावना है, जो वर्ष 2015-16 में 136.75 लाख करोड़ रुपये आंकी गई थी। यह 11.5 फीसदी की वृद्धि दर दर्शाती है।

राष्ट्रीय आय

वर्ष 2016-17 के दौरान सांकेतिक शुद्ध राष्ट्रीय आय (एनएनआई), जिसे राष्ट्रीय आय (वर्तमान मूल्यों पर) भी कहा जाता है, 134.86 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वर्ष 2015-16 में 120.83 लाख करोड़ रुपये थी। वृद्धि दर के लिहाज से राष्ट्रीय आय ने वर्ष 2016-17 में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाई है, जबकि पिछले वर्ष वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत आंकी गई थी। ■

केन्द्र सरकार ने बिहार में केला अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया

केन्द्र सरकार ने केले की खेती करने के इच्छुक किसानों की उम्मीदें पूरी करने के लिए बिहार में केला अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया है। यह केला अनुसंधान केन्द्र वैशाली के गोरौल प्रक्षेत्र के तहत आता है और पारिस्थितिकीय कारणों के कारण केला अनुसंधान केन्द्र की स्थापना के लिए गोरौल को चुना गया है। यह अनुसंधान केन्द्र देश एवं राज्य में केले की खेती के कम उपज के कारणों, खेती के रकवा विस्तार, पौधे के अन्य भागों के समुचित उपयोग, विभिन्न उत्पाद, विपणन एवं मूल्यवर्धन (वैल्यू एडिशन) के क्षेत्र में अनुसंधान करेगा।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि बिहार केले की खेती के लिए काफी उपयुक्त है और बड़े पैमाने पर केले की पैदावार यहां के किसानों की तकदीर बदल सकती है। कृषि मंत्री ने यह बात 11 मार्च को गोरौल जिला वैशाली, बिहार में केला अनुसंधान केन्द्र के शिलान्यास के अवसर पर कही। साथ ही कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि अक्टूबर, 2016 को राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा मिल चुका है। श्री सिंह ने बताया कि डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री के सपनों को पूरा करने के लिए केले की खेती से आमदनी दुगुनी करने के लिए शोध शुरू कर दिया है। इस शोध संस्थान के शुरू होने से यह अनुसंधान और जोर पकड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि केन्द्र अनुसंधानकर्ताओं के सहयोग एवं कृषकों की सहभागिता से बिहार एवं आसपास के राज्यों में महाराष्ट्र वाली केला क्राति का सूत्रधार बनेगा और इलाके के किसानों की समृद्धि एवं सुख का कारण बनेगा।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के किसान 26 सरकारी समितियों के माध्यम से घरेलू बाजार विकसित कर विदेशों तक केले का निर्यात कर केला उत्पादन में देश को एक नयी दिशा दे रहे हैं। महाराष्ट्र केले की सघन खेती, टीशू कल्चर, टपक सिंचाई आदि का उपयोग कर 12-15 हजार रेलवे वैगन प्रति वर्ष उच्च गुणवत्तायुक्त केला देशभर में भेजने का काम करता है। श्री सिंह ने कहा कि भारत में केले का उत्पादन 14.2 मि0 टन है। भारत केला उत्पादन में दुनिया का प्रथम एवं रकबा में दुनिया में तीसरा स्थान रखता है जो फल के रकवे का 13 प्रतिशत एवं फल उत्पादन का 33 प्रतिशत है। राज्यों में महाराष्ट्र सबसे बड़ा उत्पादक है एवं इसके बाद तमिलनाडु आता है। महाराष्ट्र की उत्पादकता 65.7 टन/हे. है जो कि औसत राष्ट्रीय उत्पादकता 34.1 टन/हे. से अधिक है। बिहार में केले की खेती 27.2 हजार हेक्टेयर में की जाती है, उत्पादन लगभग 550 हजार टन एवं औसत उत्पादकता 20.0 टन/हे. है जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। ■

महिलाओं को सभी रेल स्टेशनों की लघु-खानपान इकाइयों में 33% कोटा

रेल मंत्रालय द्वारा 7 मार्च को जारी रिपोर्ट के अनुसार रेलवे की प्रत्येक आरक्षित जलपान इकाईयों में महिलाओं को 33 प्रतिशत का उप-कोटा देने का निर्णय किया गया है, ताकि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके। यह निर्णय रेल बजट की घोषणाओं के भी अनुरूप है। गौरतलब है कि रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने अभी हाल में नई खानपान नीति 2017 की शुरूआत की थी, जिसमें कई नए पक्षों को शामिल किया गया। इनमें महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान भी किए गए।

लघु जलपान इकाई (स्टॉल/ट्रॉली/खोमचा) के आरक्षण की मौजूदा स्थिति –

क) ए1, ए, बी और सी श्रेणी के स्टेशन – 25 प्रतिशत इकाईयां विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षित हैं जिनमें अनुसूचित जाति (6 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति (4 प्रतिशत), बीपीएल (3 प्रतिशत), अतिरिक्त पिछड़ा वर्ग (3 प्रतिशत), अल्पसंख्यक (3 प्रतिशत), स्वतंत्रता सेनानी (4 प्रतिशत) और दिव्यांग (2 प्रतिशत)।

ख) डी, ई, एफ श्रेणी के स्टेशन – 49.5 प्रतिशत इकाईयां विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षित हैं जिनमें अनुसूचित जाति (12 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति (8 प्रतिशत), अतिरिक्त पिछड़ा वर्ग (20 प्रतिशत) और अल्पसंख्यक (9.5 प्रतिशत)।

1. सभी श्रेणी के स्टेशनों पर लघु जलपान इकाईयों के प्रत्येक वर्ग के आवंटन के मद्देनजर महिलाओं को 33 प्रतिशत उप-कोटा प्रदान किया जा रहा है। इससे ए1, ए, बी और सी श्रेणी के स्टेशनों में महिलाओं को कम से कम 8 प्रतिशत स्टॉल प्रत्येक वर्ग में प्राप्त होंगे। इसी प्रकार डी, ई और एफ श्रेणी के स्टेशनों पर कम से कम 17 प्रतिशत प्राप्त होंगे।
2. भारतीय रेल में लगभग 8 हजार लघु जलपान इकाईयां हैं।
3. इस प्रावधान के तहत रेल विभाग सुनिश्चित करेगा कि महिलाओं की भागीदारी किसी भी तरह कम न हो पाए। ■

लड़के-लड़कियों में कोई भेदभाव नहीं: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 8 मार्च को गांधी नगर में आयोजित स्वच्छ शक्ति 2017- महिला संरपंचों के सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि लड़कियों के प्रति भेदभावपूर्ण मानसिकता को बदलने जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'देश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' के लिए काफी कुछ किए जाने की आवश्यकता है। कम से कम जिन गांवों में महिला सरपंच हैं, वहां कन्या भ्रूण हत्या का कोई मामला नहीं होना चाहिए। यदि सरपंच जागरूकता पैदा करने का निर्णय लेती है तो वह ऐसा कर सकती है।'

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भेदभाव पूर्ण सोच को कदापि स्वीकार नहीं किया जा सकता और शिक्षा में लड़के और लड़कियों को बराबरी मिलनी चाहिए। प्रौद्योगिकी के लक्ष्य पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे हमारे गांवों में काफी बदलाव आ सकता है। पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उनसे सारा देश प्रेरणा लेगा।

श्री मोदी ने कहा कि (विभिन्न राज्यों में) 1000 पुरूषों के मुकाबले 800, 850 या 900 महिलाएं हैं। यदि समाज में इस प्रकार का असंतुलन पैदा होता है तो वह विकास कैसे करेगा? यह समाज की जिम्मेदारी है और महिला सरपंच समाज की मानसिकता को बदलने में संभवतः अधिक सफल हो सकती हैं। उन्होंने कहा, ''बेटी बचाओ हमारी सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय जिम्मेदारी है।'

श्री मोदी ने कहा, 'भेदभावपूर्ण मानसिकता से लड़ने और इसे दृढ़ता के साथ बदलने की आवश्यकता है। बदलाव हो रहा है। हमारी बेटियों ने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते और हमें गौरवान्वित किया। बोर्ड परीक्षाओं में केवल लड़कियां सूची में शीर्ष पर देखी जा रही हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं महिला सरपंचों से अनुरोध करूंगा कि वे लड़कियों का स्कूल जाना सुनिश्चित करें।'

उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्वच्छ भारत अभियान में भारी

योगदान करने वाली महिला सरपंचों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि 2019 में हम महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती मनायेंगे और उन्होंने स्मरण कराया कि गांधी जी ने स्वच्छता को राजनीतिक स्वतंत्रता से कहीं ज्यादा महत्व दिया था।

उन्होंने उपस्थित महिला सरपंचों का आह्वान किया कि वे स्वच्छता की दिशा में इस उत्साह को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारी आदत में शुमार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का लक्ष्य प्राप्त करने तथा गंदगी दूर करने का सबसे ज्यादा लाभ गरीबों को पहुंचता है।

साथ ही श्री मोदी ने 'स्वच्छ भारत अभियान' में महिलाओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने तकनीकी रूप से सक्षम ग्रामीण भारत के निर्माण की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन महिलाओं को आज यहां सम्मानित किया जा रहा है, उन्होंने अनेक मिथकों को तोड़ा है और ग्रामीण भारत में किस प्रकार से सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है, यह भी कर दिखाया है। श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मूल-चूल परिवर्तन के लिए महिला सरपंचों से मिलकर उनका निश्चय दृढ़ हो चला है और वे गुणात्मक परिवर्तन लाने के इच्छुक हैं। ■

लोकसभा ने एडमिरेल्टीर विधेयक, 2016 पारित किया

लोकसभा द्वारा 10 मार्च को एडमिरेल्टी (न्याय क्षेत्र एवं सामुद्रिक दावों के निपटान) विधेयक, 2016 पारित किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य अदालतों के एडमिरेल्टी न्याय क्षेत्र, सामुद्रिक दावों की एडमिरेल्टी प्रक्रियाओं, पोतों की गिरफ्तारी एवं संबंधित मुद्दों से जुड़े वर्तमान कानूनों को मजबूत बनाने के लिए एक कानूनी संरचना की स्थापना करना है। इस विधेयक का उद्देश्य वैसे पुराने कानूनों का विस्थापन करना भी है, जो कारगर प्रशासन की राह में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। यह विधेयक भारत के तटीय राज्यों में स्थित उच्च न्यायालयों को एडमिरेल्टी न्याय क्षेत्र प्रदान करता है और यह क्षेत्राधिकार प्रादेशिक जलों तक फैला है।

गौरतलब है कि इस विधेयक को संसद के शीत सत्र के दौरान पेश किया गया था।

महिलाओं को मिलेगा 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश

संसद ने प्रसूति प्रसुविधा संशोधन विधेयक 2016 को मंजूरी दे दी। इसमें संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को मातृत्व सुविधा प्रदान करने की पहल की गई है। लोकसभा में 9 मार्च को प्रसूति प्रसुविधा संशोधन विधेयक 2016 पर विचार करने के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा में इसे पहले ही पारित किया जा चुका है।

नौकरीपेशा महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, अब उन्हें मां बनने पर 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलेगा। संसद के दोनों सदनों द्वारा इसे हरी झंडी मिल गई है। 9 मार्च को लोकसभा ने मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक 2016 पर अपनी मुहर लगा दी। राज्यसभा पिछले साल अगस्त में ही इस विधेयक को पास कर चुकी है।

नये विधेयक में नौकरीपेशा महिलाओं को दो बच्चों के जन्म के समय 12 सप्ताह के बजाय 26 सप्ताह का सवेतन मातृत्व अवकाश देने का प्रावधान है। इस संशोधन विधेयक के जरिये मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 में संशोधन करके मातृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाई गई है।

यह कानून 10 से अधिक कर्मचारियों के सभी प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। इससे संगठित क्षेत्र की करीब 18 लाख महिला कर्मचारी लाभांवित होंगी। संशोधन बिल में दो बच्चों के जन्म पर 26 सप्ताह के मातृत्व अवकाश का प्रावधान है। तीसरे बच्चे के जन्म पर 12 सप्ताह का ही मातृत्व अवकाश मिलेगा।

मातृत्व अवकाश के दौरान पूरा वेतन मिलेगा। इस कानून का लाभ उन महिलाओं को भी मिलेगा जिन्होंने 3 माह से कम उम्र का बच्चा गोद लिया होगा। ऐसे मामलों में मातृत्व अवकाश की तिथि उस दिन से गिनी जाएगी, जिस दिन मां को बच्चा सौंपा जाएगा। पहली बार सरोगेसी में भी मातृत्व अवकाश का प्रावधान किया गया है। यह विधेयक श्रम मंत्रालय की ओर से पेश किया गया था। इस विधेयक के पास होने के बाद भारत दुनिया का तीसरे नंबर का देश हो गया है जहां सबसे ज्यादा मातृत्व अवकाश मिलेगा। कनाडा और नार्वे में 50 और 44 सप्ताह के मातृत्व अवकाश का प्रावधान है।

मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक '2016' की मुख्य बातें

- नौकरीपेशा महिलाओं को मां बनने पर 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश।
- बिल में दो बच्चों के जन्म पर 26 सप्ताह के मातृत्व अवकाश का प्रावधान।
- तीसरे बच्चे के जन्म पर 12 सप्ताह का ही मातृत्व अवकाश।
- यह कानून 10 से अधिक कर्मचारियों के सभी प्रतिष्ठानों पर लागू होता है।
- इससे संगठित क्षेत्र की करीब 18 लाख महिला कर्मचारी लाभांवित होंगी।
- मातृत्व अवकाश के दौरान पूरा वेतन।
- पहली बार सरोगेसी में भी मातृत्व अवकाश का प्रावधान।
- इस कानून का लाभ उन महिलाओं को भी मिलेगा जिन्होंने 3 माह से कम उम्र का बच्चा गोद लिया होगा।

सदन में श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय ने विचार के लिए रखते हुए कहा कि गर्भवती एवं शिशु के जन्म के कल्याण का विषय अत्यंत गंभीर मामला है। श्रम हालांकि समवर्ती सूची में आता है, लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार गर्भवती महिलाओं, माताओं एवं बच्चों की देखरेख, पोषण आदि के बारे में प्रतिबद्ध है।

बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ट्विट कर इस महिलाओं के लिए कल्याणकारी कदम बताया। श्री मोदी ने कहा, यह एक मील का क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा, महिला नेतृत्व के विकास की दिशा में मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक मील का क्षण है।

दूसरे ट्विट में श्री मोदी ने कहा, मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक मां और बच्चे की बेहतर स्वास्थय और भलाई सुनिश्चित करता है। मातृत्व अवकाश में वृद्धि स्वागत योग्य प्रावधान है। प्रधानमंत्री ने कहा, मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक लिए महिलाओं का रोजगार संरक्षित है। कार्यालयों में क्रैच का अनिवार्य करना प्रशंसनीय है। ■

परमाणु कार्यक्रम उत्तर भारत में : जितेंद्र सिंह

केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन और परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने 4 मार्च को कहा कि हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने परमाणु कार्यक्रम को उत्तर भारत में लाया है। इससे पहले परमाणु कार्यक्रम दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों या फिर देश के मध्य भाग में ही सीमित थे।

परमाणु खनिज अनुसंधान एवं अन्वेषण निदेशालय के केंद्रीय क्षेत्रीय मुख्यालय, नागपुर के अपने दौरे के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि पिछले दो सालों से हरियाणा के गोरखपुर में परमाणु संयंत्र की स्थापना की जा रही है। इसके दो–तीन साल में चालू हो जाने के बाद इससे कम कीमत, प्रति यूनिट 6 रुपये की दर से बिजली पैदा करने में हम सक्षम हो जाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राजधानी के प्रगति मैदान में एक न्यूक्लियर हॉल बनाने की पहल की गई है। उन्होंने बताया कि परमाणु ऊर्जा विभाग का मुख्यालय मुंबई में है और परमाणु ऊर्जा संबंधी अधिकतर कार्यक्रम दक्षिणी एवं पश्चिमी राज्यों में ही सीमित हैं, इसलिए सरकार द्वारा परमाणु काग्रक्रमों में किए जा रहे विस्तार और अन्य पहलों के बारे में आम लोगों को बताने के लिए प्रगति मैदान में इस तरह के हॉल बनाने की पहल की गई है।

डॉ. सिंह ने कहा कि परमाणु कार्यक्रमों की शुरुआत इसके जनक डॉ. होमी जहंगीर भाभा द्वारा शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया गया था। आज वर्तमान सरकार के शासन काल में उनके उद्देश्य का सही प्रतिपालन हो रहा है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विचार–

विमर्श को अपने एजेंडे में प्राथमिकता दी है। वे अपने हर विदेशी दौरे में कई समझौते किए हैं। सरकार और प्रधानमंत्री के इन प्रयासों से परमाणु कार्यक्रम बढ़े हैं और भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों का हौसला ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा न सिर्फ इतना बल्कि केंद्र सरकार ने लीक से हटकर पीयूएस के लिए भारतीय परमाणु ऊर्जा कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनपीसीआइएल) के साथ भागीदारी कर संयुक्त उपक्रम स्थापित करने का भी निर्णय लिया है।

इस मौके पर एएमडी के निदेशक डॉ. एल .के. नंदा ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों में यूरेनियम के नए भंडार की खोज के लिए चल रही गतिविधियों के बारे में बताया। इन राज्यों एवं क्षेत्रों में चंडीगढ़, ओडिशा और मेघालय शामिल हैं। अपने दौरे में डॉ. जितेंद्र सिंह ने एएमडी में काम करने वाले वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी और कहा कि आज हमारे पास यूरेनियम का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जिसमें आने वाले दिनों में कई गुना वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार देश के वैसे भागों में भी यूरेनियम की खोज करने की इच्छुक है, जिन क्षेत्रों में अब तक इस तरह की कोई गतिविधियां शुरू नहीं की गई हैं। ■

तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी के लिए वेबपोर्टल का शुभारंभ

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री अनिल माधव ने 8 मार्च को तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के लिये मंजूरी पाने के लिए वेब पोर्टल का शुभारम्भ किया। मंत्री महोदय ने पोर्टल के शुभारम्भ को 'कारोबार करने में सुगमता' का अच्छा उदाहरण बताया। यह पोर्टल परियोजना प्रस्तावकों के लिए 'तटीय विनियमन क्षेत्र' के अंतर्गत मंत्रालय से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए वेब आधारित प्रणाली है। इस प्रणाली से परियोजना प्रस्तावकों और राज्य तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (एससीजेडएमए) तथा नगरपालिका/नगर नियोजन एजेंसियों जैसे संबंधित राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों के निकायों को अपने प्रस्तावों की स्थिति जानने में मदद मिलेगी। पर्यावरण और वन मंजूरी प्रदान करने की मौजूदा प्रणाली के समान ही यह प्रणाली वेब आधरित है।

यह पोर्टल उपयोगकर्ता के लिए काफी सुविधाजनक है, जिससे एक ही खिड़की के जरिए सीआरजेड मंजूरी के लिए आवेदन जमा कराने में और मंजूरी से संबंधित त्वरित जानकारी पाने मदद मिलेगी। इस पोर्टल में भविष्य के सभी संदर्भों के लिए प्रत्येक प्रस्ताव को अलग पहचान दी गई है। यह इंटरनेट सुविधा के साथ किसी भी कम्प्यूटर पर उपलब्ध है। वेबपोर्टल के उद्देश्यों में दक्षता बढ़ाना, सीआरजेड मंजूरी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जिम्मेदारी लाना, सीआरजेड मंजूरी प्रस्तावों की स्थिति के बारे में सही समय पर जानकारी उपलब्ध करवाने के जरिए जवाबदेही बढ़ाना, कारोबार करने में सुगमता लाना और सूचनाओं तथा सेवाओं तक नागरिकों की सुविधाजनक पहुंच बढ़ाना, केन्द्र और राज्य स्तर पर विधियों और प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना शामिल है। इसके अलावा ज्वार-भाटे के बारे में अधिसूचना, सीआरजेड-1 के अंतर्गत आने वाले पारिस्थितिकीय रूप से संवेदी क्षेत्र, खतरे की रेखा जैसी कई अन्य पहलों पर कार्य चल रहा है। इन सब कदमों का उद्देश्य पक्षपात कम करना और सभी स्तरों पर जवाबदेही बढ़ाना है।

'मैं' से 'हम' की यात्रा ही योग है: नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 मार्च को ऋषिकेश में आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के आयोजन के लिए संभवतः ऋषिकेश से बेहतर कोई अन्य स्थान नहीं हो सकता था। वास्तव में यह एक ऐसी जगह है जहां संत, तीर्थयात्री, आम आदमी और मशहूर हस्तियां समान रूप से शांति और योग के वास्तविक तत्वों की तलाश में सदियों से आते रहे हैं। मैं ऋषिकेश में पवित्र गंगा नदी के तट पर बड़ी तादाद में दुनिया भर से आए लोगों को देख रहा हूं और इसे देखकर मुझे जर्मनी के महान विद्वान मैक्समूलर का कथन याद आता है। उन्होंने कहा था-

'यदि मुझसे पूछा गया कि किस आसमान तले मानव मस्तिष्क ने अपने कुछ सर्वोत्तम उपहार विकसित किए, जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं पर गहराई से सोचा गया और समाधान निकाला गया, तो मुझे भारत की ओर इशारा करना चाहिए।' मैक्समूलर से लेकर आज ऋषिकेश में उपस्थित हुए आप में से तमाम लोग- जो अपनी साधना में बेहद सफल रहे हैं- जब वास्तविक सत्य की खोज के लिए आगे बढ़े तो उनका गंतव्य भारत रहा और अधिकतर मामलों में उस खोज ने उन्हें योग के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि भारत में हम मानते हैं कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर हमारा अनुसंधान आत्मा के भीतर की गहराई की खोज भी है जो दोनों विज्ञान और योग है। श्री मोदी ने कहा कि योग लोगों को जीवन के साथ जोड़ने और फिर मानव जाति को प्रकृति से जोड़ने की एक संहिता है। यह हमारी स्वयं की सीमित भावना को विस्तार देता है ताकि हम अपने परिवार, समाज और मानव जाति को खुद के विस्तार के रूप में देख सकें। इसलिए स्वामी विवेकानंद ने कहा था, 'जीवन का विस्तार ही मृत्यु का संकुचन है।'

उन्होंने कहा कि योग के अभ्यास से एकता की भावना- मन, शरीर और बुद्धि की एकता- पैदा होती है। हमारे परिवारों के साथ एकता, हम जिस समाज में रहते हैं उसके साथ, साथी मानव के साथ, सभी पशु-पक्षी एवं पेड़-पौधे, जिनके साथ हम अपने सुंदर ग्रह को साझा करते हैं, के साथ एक होना ही योग है।

श्री मोदी ने कहा कि 'मैं' से 'हम' की यात्रा ही योग है। व्यक्ति से समष्टि तक यह यात्रा है। मैं से हम तक की यह अनुभूति, हम से वयम तक का यह भाव विस्तार, यही तो योग है। यह यात्रा एक प्राकृतिक सह-उत्पाद के रूप में अच्छे स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त लाभ, मन की शांति और यहां तक कि जीवन में समृद्धि प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग व्यक्ति को विचार, क्रिया, ज्ञान और भक्ति में एक बेहतर मानव बनाता है। योग को केवल शरीर को स्वस्थ रखने के लिए किए जाने वाले व्यायाम के रूप में देखना बिल्कुल अनुचित होगा।

योग शारीरिक व्यायाम से परे है।

श्री मोदी ने कहा कि आधुनिक जीवन के तनाव से शांति की खोज में अक्सर लोग तंबाकू, शराब और यहां तक कि ड्रग्स आदि नशीले पदार्थों का सेवन करने लगते हैं। ऐसे में योग आपको कालातीत, सरल और स्वास्थ्यवर्द्धक विकल्प प्रदान करता है। इसके पर्याप्त प्रमाण हैं कि योगाभ्यास आपको तनाव एवं जीवनशैली संबंधी गंभीर स्थितियों से उबरने में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया आज आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन की दोहरी चुनौतियों से भी जूझ रही है। ऐसे में इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए दुनिया की नजरें भारत और योग पर टिक गई हैं। जब हम विश्व शांति की बात करते हैं तो विभिन्न देशों के बीच भी शांति होनी चाहिए। ऐसा तभी संभव हो सकेगा जब समाज के भीतर शांति हो। केवल शांतिपूर्ण परिवार ही शांतिपूर्ण समाज का गठन कर सकते हैं। केवल शांतिपूर्ण व्यक्ति ही शांतिपूर्ण परिवार बना सकते हैं। योग व्यक्तियों, परिवार, समाज, राष्ट्र और अंततः पूरी दुनिया में सद्भाव और शांति लाने का तरीका है।

> योग के जरिये हम एक नए युग का निर्माण करेंगे जो एकता और समरसता का युग होगा। जब हम जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की बात करते हैं तो हम उपभोग यानी 'भोग' की जीवनशैली से योग की ओर बढ़ना चाहते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि योग के जरिये हम एक नए युग का निर्माण करेंगे जो एकता और समरसता का युग होगा। जब हम जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की बात करते हैं तो हम उपभोग यानी 'भोग' की जीवनशैली से योग की ओर बढ़ना चाहते हैं। योग अनुशासन एवं विकास की जीवनशैली के लिए एक मजबूत स्तंभ साबित हो सकता है। ऐसे समय में जब निजी लाभ और उसे हासिल करने के लिए पुरजोर कोशिश करने पर जोर दिया जा रहा हो, योग एक अलग स्फूर्तिदायक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपराओं में व्यक्तिगत स्वच्छता पर काफी जोर दिया गया है। उसमें न केवल शरीर को साफ रखने पर जोर दिया गया है बल्कि घर, कार्यस्थल और पूजा करने की जगह की साफ-सफाई को काफी प्राथमिकता दी गई है। ■

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता

और

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रह्मण्य भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एवं पार्टी नेतागण

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2015-17
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2015-17

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बने कमल संदेश के आजीवन सदस्य

कमल संदेश की कैशलेस सदस्यता लें!

आह्वान

आपको जानकर हर्ष होगा कि 6 दिसम्बर 2016 को पार्टी मुख्यालय में भाजपा 'कमल संदेश' का आजीवन सदस्य बनकर राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. **श्री अमित शाह** ने पत्रिका की सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि 'कमल संदेश' भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय पत्रिका है और यह पाक्षिक रूप में हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित होती है।

हमारे लिए यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं 5000/– रुपए का चैक देकर 'कमल संदेश' की आजीवन सदस्यता ली। साथ ही केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली, रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर, मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर सहित अनेक केन्द्रीय एवं प्रदेश सरकार के मंत्रियों, माननीय सांसदों, विधायकों एवं पार्टी पदाधिकारियों द्वारा आजीवन सदस्यता ग्रहण की गई है।

'कमल संदेश' के हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों अंकों को 5000/– (पांच हजार रुपये) की सदस्यता शुल्क देकर नियमित रूप से प्राप्त किया जा सकता है। अब 'कमल संदेश' के लिए कैशलेस भुगतान की भी सुविधा उपलब्ध है। कृपया 5000/– (पांच हजार) रुपये का योगदान कर आप भी 'कमल संदेश' (हिन्दी+अंग्रेजी) का आजीवन सदस्य बनें।

एक साल (हिन्दी/अंग्रेजी)	—	₹350/-	**तीन साल** (हिन्दी/अंग्रेजी)	—	₹1000/-
आजीवन (हिन्दी/अंग्रेजी)	—	₹3000/-	**आजीवन** (हिन्दी+अंग्रेजी)	—	₹5000/-

'कमल संदेश' के हमारे पाठकों से अनुरोध है कि इसकी सदस्यता लेकर जीवंत वैचारिक आंदोलन के भागीदार बनें।

कैशलेस बना 'कमल संदेश' सदस्य बनें और बनाएं

☞ **www.kamalsandesh.org, www.bjp.org** पर जाकर कैशलेस भुगतान क्रेडिट/डेबिट/नेटबैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं।

☞ साथ ही दिए बार कोड से मोबाइल द्वारा सीधा भुगतान भी कर सकते हैं।

chillr
ACCEPTED HERE
Scan the QR code to make a payment
Click on SCAN & PAY and enter amount
Add this contact to pay
+91 9911026172

"**कमल संदेश**" के नाम से कृपया चेक/ड्राफ्ट निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं:
कमल संदेश, पीपी–66, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, सुब्रह्मण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली– 110003